संकुल स्तरीय मासिक बैठकों हेतु

अकादमिक अनुसमर्थन कार्ययोजना

माह- दिसम्बर 2024 से मार्च 2025 तक

(प्राथमिक स्तर)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखण्ड

सहयोग- अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, उत्तराखण्ड

संदर्भ

शिक्षक साथियों के सतत क्षमता संवर्धन के लिए विद्यालय स्तर की शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने व शिक्षा की गुणवत्ता एवं संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए 'संकुल' सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई के रूप में है। एक संकुल, शिक्षकों व विद्यालयी शिक्षा में सतत गुणवत्ता प्रदान करने के लिए सबसे व्यावहारिक मंच हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं इसके क्रियान्वयन हेतु संदर्भित दस्तावेजों (सार्थक- 1, सार्थक- 2, निपुण भारत मिशन कार्यक्रम क्रियान्वयन दस्तावेज़ आदि) में भी विद्यालय क्लस्टर योजना एवं संकुल स्तरीय शिक्षक अनुसमर्थन की पैरवी की गई। इसी क्रम में SCERT उत्तराखंड द्वारा वर्तमान शैक्षिक सत्र 2024-25 की शुरुआत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु 'मिशन कोशिश' कार्यक्रम के माध्यम से की गई। इसमें गत कक्षा के उन कौशलों को फोकस किया गया, जिनमें बच्चों का संप्राप्ति स्तर कम रहा। इस हेतु एक विस्तृत योजना/ कैलेण्डर बनाया गया और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड एवं संकुल समन्वयकों एवं सहयोगी संस्था अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के माध्यम से अप्रैल 2024 से जुलाई 2024 तक यह कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में संकुल स्तरीय बैठकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि आधारभूत भाषायी एवं गणितीय दक्षताओं एवं कक्षानुरूप अधिगम प्रतिफलों की संप्राप्ति के लिए योजनाबद्ध कार्य किया जाए। इसको केन्द्रित करते हुए यह दस्तावेज़ कक्षानुरूप सीखने के लक्ष्यों एवं आवश्यक शिक्षण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता में रखते हुए पाठ्यक्रम को सुनियोजित रूप से क्रियान्वित करने की योजना प्रस्तुत करता है। इस योजना में प्राथमिक स्तर पर भाषा (हिन्दी और अंग्रेजी), गणित एवं पर्यावरण अध्ययन विषय की आगामी तीन माह की योजना दी जा रही है। इसमें माहवार यह स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक विषय में कौन-कौन से लर्निंग आउटकम हैं, जिस पर केन्द्रित होकर कार्य करना है और उन्हें हासिल करने के लिए कौन-कौन सी प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाएं हैं, जिन्हें आवश्यक रूप से अपनाए जाने की जरूरत है।

अकादमिक सत्र में अगस्त 2024 से नवंबर 2024 के लिए इसी तरह मासिक अकादमिक बैठक कार्ययोजना को तैयार कर सभी शैक्षणिक संस्थानों, संकुलों एवं विद्यालयों तक उपलब्ध कराया गया था। इसी क्रम में अकादमिक सत्र में दिसम्बर 2024 से मार्च 2025 के लिए मासिक अकादमिक कार्ययोजना उपलब्ध कराई जा रही है।

इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जरूरी है कि शिक्षक निरंतर इन लक्ष्यों के सापेक्ष अपने कार्य की मासिक योजना बनाए एवं समीक्षा करें। इसके लिए संकुल स्तरीय अकादमिक बैठकों की अहम भूमिका होगी। राज्य की सर्वोच्च अकादमिक संस्था "राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड" द्वारा संकुल स्तरीय मासिक अकादमिक बैठकों हेतु व्यवस्थित योजना का निर्माण किया गया है, जो शिक्षकों हेतु मददगार सिद्ध होगा। उक्त के क्रियान्वयन हेतु सभी जनपदों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गए हैं।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इसी तरह व्यवस्थित कक्षा-कक्ष शिक्षण कार्ययोजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप सभी विद्यार्थी अकादमिक सत्रांत तक अपनी कक्षा स्तरीय अधिगम क्षमताओं को प्राप्त कर पाएंगे।

शुभकामनाओं सहित।

निदेशक
अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण
उत्तराखंड

संकुल स्तरीय बैठक

सत्र संचालन प्रक्रिया **कुल समय 4 घंटे**

माह – दिसंबर			
सत्र	**सत्र नाम**	**सत्र की प्रक्रिया**	**समय**
एक	शिक्षण अनुभवों की शेयरिंग/ डेमोस्ट्रेशन	विगत माह चयनित शिक्षण पद्धतियों के आधार पर प्रत्येक विषय से एक शिक्षक से अनुरोध किया जाएगा कि निम्न तीन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए वे अपने शिक्षण अनुभव साझा करेंगे। इस प्रक्रिया में वे शिक्षक छात्रों के काम के सैंपल, वीडियो, फोटो आदि को भी साझा कर सकते हैं। 1. क्या पढ़ाया गया (विगत माह में चयनित शिक्षण अभ्यास में से कोई दो उदाहरण) 2. कैसे पढ़ाया गया (दो-तीन गतिविधियों के उदाहरण, वीडियो, फोटो आदि) 3. छात्रों के सीखने के स्तर में किस तरह का परिवर्तन दिखाई दे रहा है। **विषयवार नोट:** **हिन्दी:** विगत माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ-9- क्योंजीमल और कैसे-कैस लिया, सर्दी आई-केवल पढ़ने के लिए), पाठ-10- मीरा बहन और बाघ, कहानी की कहानी (केवल पढ़ने के लिए)), कक्षा 4 के पाठ (पाठ-10- थप्प रोटी थप्प दाल, पाठ-11- पढ़क्कू की सूझ) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ-13- स्वामी की दादी, कार्टून-केवल पढ़ने के लिए, पाठ- 14- बाघ आया उस रात, एशियाई शेर के लिए मीठी गोलियाँ- केवल पढ़ने के लिए) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **English:** Selected teachers in the subject will be presenting their experiences based on the activities conducted in the schools as per the November month plan class 1 (Unit 2: Chapter 3- A farm Animals and birds), class 2 (Unit 3: Chapter 1- Come Back Soon), class 3 (Unit 7- Little Tiger, Big Tiger), class 4 (Unit 6- The Scholar's Mother Tongue), class 5 (Unit 7-Gulliver's Travels). **गणित:** पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (बोल भाई कितने गुना), कक्षा 4 के पाठ (आधा और चौथाई) और कक्षा 5 के पाठ (डिब्बे और स्केच) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **EVS:** पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (चिट्ठी आई है ऐसे भी होते हैं घर), कक्षा 4 के पाठ (जड़ों का जाल मिलकर खाएं, खाना खिलाना) और कक्षा 5 के पाठ (कौन करेगा यह काम, फांद ली दीवार) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **संदर्भ शिक्षक के लिए नोट-** मासिक बैठक रजिस्टर में विगत माह की आख्या और उसमें हिन्दी विषय के लिए चयनित लर्निंग आउटकम और शिक्षण अभ्यास का अवलोकन कर लें। यदि ज़रूरी लगे तो शेयरिंग से पहले समूह में पढ़ा भी जा सकता है।	एक घंटा तीस मिनट

<table>
<tr>
<td>दो</td>
<td>चर्चा किए गए लर्निंग आउटकम एवं शिक्षण प्रक्रियाओं को केंद्र में रखकर
गतिविधियाँ, सामग्री, आकलन प्रश्न बनाना</td>
<td>
1. विषयों के उपसमूह में शिक्षकों को मासिक कैलेंडर एवं पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।
2. कैलेंडर में दिए गए पाठ को समूह में पढ़ना, उसके मूलभाव को समझना और उदाहरण के लिए दिए गए टीचिंग प्लान को पढ़ना-समझना।
3. पाठ के मूलभाव एवं टीचिंग प्लान को ध्यान में रखते हुए आगामी माह के पाठ के लिए गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्नों का निर्माण करना।
प्रस्तुतीकरण- निम्न प्रारूप को ध्यान में रखते हुए समूह अपनी प्रस्तुति करेंगे-
<table>
<tr><th>चयनित लर्निंग आउटकम</th><th>शिक्षण अभ्यास</th><th>पाठ हेतु तैयार की गई गतिविधियां / सामग्री</th><th>पाठ का नाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- इस सत्र के सफल संचालन के लिए मासिक कैलेंडर, पाठ्यपुस्तक एवं सेंपल टीचिंग प्लान की कॉपी लेकर जाएं, जिसे शिक्षकों के ग्रुप में उपलब्ध कराया जा सके।
</td>
<td>एक घंटा</td>
</tr>
<tr>
<td>तीन</td>
<td>शिक्षकों के द्वारा प्रस्तुतीकरण</td>
<td>
इस सत्र में शिक्षक बनाई गई शिक्षण योजना, गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्न आदि को साझा करेंगे। प्रस्तुति के दौरान अन्य समूह (जो प्रस्तुति सुन रहे हैं) निम्न बिन्दुओं को अपनी कॉपी में नोट करेंगे-
1. प्रस्तुति (शेयरिंग) में चयनित सीखने के प्रतिफलों में से कौन से प्रतिफलों पर फोकस किया गया है?
2. क्या गतिविधियों तथा प्रश्न निर्माण में कक्षा में छात्रों के विभिन्न सीखने के स्तरों का ध्यान रखा गया है? इसके कुछ उदाहरण क्या है?
प्रत्येक प्रस्तुति के बाद उपरोक्त बिंदुओं को साझा किया जाएगा।
</td>
<td>एक घंटा</td>
</tr>
<tr>
<td>चार</td>
<td>समेकन और आगे की योजना</td>
<td>
समेकन- प्रस्तुतीकरण हो जाने के बाद संदर्भ शिक्षक पुन: कक्षावार आवश्यक लर्निंग आउटकम, शिक्षण प्रक्रियाओं और उन गतिविधियों को खासतौर से सामने रखेंगे, जो विषय समूहों ने बनाई है। अगली प्रस्तुति के लिए सुझाव के बिंदु और अगली प्रस्तुति के लिए शिक्षकों का चयन आदि कार्य किए जाएँगे।
संदर्भ व्यक्ति के लिए नोट- सत्रों में हुई चर्चा एवं आगामी माह की योजना को संलग्न फॉर्मेट में दर्ज करेंगे एवं अपने समूह में साझा करेंगे।
Note for Resource Teacher (English Language)- Apart from the above the resource teacher will also talk about the importance of grammar in primary classes and how to introduce it while making a teaching plan. To discuss it in detail they can refer to the points below-
1. It is important to list down the learning outcomes which include teaching grammar as it gives a clear picture of the purpose of teaching grammar to students.
2. After teaching a story or a poem, the teacher could use that as context to teach grammar since teaching the same without context is meaningless to learners.
</td>
<td>तीस मिनट</td>
</tr>
</table>

		3. The teacher can pick a story that is in a narration style. After reading the story, the teacher can ask students to find and circle words that tell them that this story is from the past or present. Once this is done, the teacher will ask them why they circled those words. This activity will help learners to pick up rules while going through the content. 4. Teachers can introduce grammar games like “Name-Place-Things” and others. Worksheets and exercises like “Say Aloud”, “Let’s write” and “Working with Language” sections in NCERT textbooks, could be done with students to practice that understanding. 5. Once learners have a fair understanding of grammatical rules, they should be encouraged to apply these rules in their spoken and written form of language through various classroom activities like role-play, conversations on daily life experiences, diary writing, story writing etc. 6. Giving feedback to learners is an important step. However, instead of telling them their mistakes, students should be allowed to explore and find their errors in textbooks or practice sheets. 7. After feedback, students need repeated support and practice to build grammatical awareness. Hence, different charts with sample text or sentences highlighting grammar rules could be displayed along with plenty of opportunities for reading, writing, and discussion.	

मासिक विभाजन

हिन्दी भाषा

आरंभिक भाषा शिक्षण के समूचे काम में जिन कौशलों का विकास अपेक्षित है, उनमें हैं- सुनकर समझना और सोचकर बोलना, पढ़कर समझना और समझकर व्यक्त करना, लिखकर अभिव्यक्त करना, स्वतन्त्र व सृजनात्मक अभिव्यक्तियाँ। यह कौशल क्रमश: नहीं विकसित होते वरन एक दूसरे के साथ-साथ विकसित होते हैं। इसलिए इनको हासिल करने की प्रक्रियाएं भी क्रमश: न होकर साथ-साथ होती हैं। यह भाषा शिक्षण की ख़ास स्वभावगत विशेषता है। कक्षा 1 व 2 में स्वाभाविक तौर पर बुनियादी साक्षरता पर काम होता है। कक्षा 3, 4 और 5 को देखें तो इन कक्षाओं में आधारभूत भाषाई कौशलों के साथ सीखने के विस्तार पर काम किया जाना है। शिक्षकों से यही अपेक्षा है कि पाठों को आधार बनाकर और बाल साहित्य तथा शिक्षण प्रक्रियाओं को समाहित करते हुए ऐसी समग्र शिक्षण योजना बनाकर क्रियान्वित करें, जिसमें ऐसे अभ्यास और गतिविधियाँ हों, जिनसे हर स्तर के बच्चों की सीखने की जरूरत को पोषित किया जा सके। इसके लिए SCERT उत्तराखण्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई FLN शिक्षक संदर्शिका, कार्यपुस्तिकाओं, स्वयं की अधिगम डायरी आदि स्रोतों से अनेक अभ्यास और गतिविधियों को काम में लिया जाएगा। इसके साथ-साथ रीडिंग कॉर्नर, बाल साहित्य व अन्य पठन सामग्री को पढ़ने-लिखने में इस्तेमाल करना है। इसके साथ ही बाल शोध विधा, सुबह की सभा, प्रतिभा दिवस, दिवस विशेष, लिखित भाषा समृद्ध वातावरण को भी सीखने-सिखाने के लिए इस्तेमाल करते हुए समृद्ध मायने देना है।

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगी? (पाठ्यपुस्तक और सहायक)
3	1. आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते एवं प्रश्न पूछते हैं। 2. कहानी, कविता अथवा अन्य को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। 3. अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेल लिपि आदि में) देते हैं।	1. कक्षा की बातचीत को पढ़ने-लिखने के अवसर के रूप में उपयोग कर पाते हैं। 2. कहानी कविता पर विविध गतिविधियाँ, जैसे- चित्र देखकर पात्रों के नाम लिखना, शब्दों से कहानी कविता बनाना, अधूरी कहानी, कविता को पूरा करना आदि कराई जाती हैं। 3. कक्षा में जो बच्चे गति के साथ नहीं पढ़ पाते या अटक-अटककर पढ़ते हैं, उन बच्चों की मदद की जाती है।	1. रिमझिम- कक्षा 3, पाठ 12- जब मुझको साँप ने काटा 2. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=7jfkdtg_SfY 3. बच्चों के पत्र (केवल पढ़ने के लिए) 4. बाल साहित्य- खतरे में साँप, सारंगी, कक्षा-1 5. चुन्नी और मुन्नी, बरखा सीरीज 6. हमारे साथी जानवर, आस-पास पाठ-19

4	1. पढ़ी हुई सामाग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक, लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। 2. विविध प्रकार की जैसे समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक और बाल पत्रिका आदि में आए प्राकृतिक, सामाजिक, अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। 3. भाषा की बारीकियों, जैसे- शब्दों की पुनरावृति सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।	1. बच्चों को अपने मन से कहानी-कविता सुनाने के और लिखने के अवसर दिए जाते हैं और इस आधार पर उनकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का आकलन किया जाता है। 2. पाठ्यपुस्तक के अलावा जिस सामग्री का चयन किया जाता है, उसे कक्षा, बच्चों के स्तर और सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ को ध्यान में रखकर किया जाता है। 3. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 4, पाठ 12- सुनीता की पहिया कुर्सी 2. बाल साहित्य (बरखा सीरीज़)- मिमी के लिए क्या लूँ?, पीलू की गुल्ली
5	1. सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। 2. पाठ्यपुस्तक और इससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्त करते हैं।	1. पाठ्यपुस्तक के अलावा जिस सामग्री का चयन किया जाता है, वह कक्षा और बच्चों के स्तर और सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ को ध्यान में रखकर किया जाता है। 2. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है। 3. बाल सभा, सुबह की सभा और विभिन्न अवसरों पर पुस्तकों पर बातचीत की जाती है। शिक्षक स्वयं भी अपनी पढ़ी कहानियां सुनाते हैं।	1. रिमझिम- कक्षा 5, पाठ 15- बिशन की दिलेरी 2. रिमझिम- कक्षा 5, रात भर बिलखते-चिंघाड़ते रहे (केवल पढ़ने के लिए) 3. रिमझिम- कक्षा 5, पाठ 14- बाघ आया उस रात
	1. आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते एंव प्रश्न पूछते हैं। 2. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।	1. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं। जैसे- किसी घटना को समझने और उसका संदर्भ और स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों। 2. पाठ्यपुस्तक के अलावा जिस सामग्री का चयन किया जाता है, वह कक्षा और बच्चों के स्तर और सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ को ध्यान में रखकर किया जाता है। 3. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 5, पाठ 16- पानी रे पानी 2. रिमझिम- कक्षा 5, नदी का सफर (केवल पढ़ने के लिए) 3. बूँद-बूँद दरिया-दरिया (आस-पास, भाग- 3) 4. पानी कहीं ज्यादा कहीं कम (आस-पास, भाग- 2)

सुझावात्मक शिक्षण योजना

कक्षा – 3 **पाठ – 12, जब मुझको साँप ने काटा**

माह – दिसंबर	
सीखने के प्रतिफल	**शिक्षण अभ्यास**
1. आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते एंव प्रश्न पूछते हैं। 2. कहानी, कविता अथवा अन्य को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। 3. अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेल लिपि आदि) में देते हैं।	1. कक्षा की बातचीत को पढ़ने-लिखने के अवसर के रूप में उपयोग कर पाते हैं। 2. कहानी कविता पर विविध गतिविधियाँ, जैसे- चित्र देखकर पात्रों के नाम लिखना, शब्दों से कहानी कविता बनाना, अधूरी कहानी कविता को पूरा करना आदि कराई जाती हैं। 3. कक्षा में जो बच्चे गति के साथ नहीं पढ़ पाते या अटक-अटककर पढ़ते हैं उन बच्चों की मदद की जाती है।

अपेक्षित सामग्री

1. पाठ्यपुस्तक
2. बाल साहित्य- खतरे में साँप कहानी, छोटा शेर बड़ा शेर, प्यासी मैना, साबू और जोजो, मैं भी आदि।
3. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=7jfkdtg_SfY

पाठ का संदर्भ

'जब मुझको साँप ने काटा' यह पाठ डर और भ्रम से घबराने के बजाय सही तरीका बताता है कि हमें ऐसी परिस्थिति में क्या करना चाहिए? पाठ को पढ़ते समय बच्चे साँपों से जुड़े तथ्यों और मिथकों को समझते हैं। बातचीत और चर्चा के जरिए बच्चों की मौखिक क्षमता का विकास होता है। इस कहानी के माध्यम से बच्चे अपने परिवेश के अनुभवों को भी साझा करेंगे। यह पाठ लिखने, पढ़ने और बोलने के कौशल को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ता है।

नोट- नीचे दी जा रही शिक्षण योजना में जो चरण सुझाए गए हैं, शिक्षक अपनी कक्षा, बच्चों के स्तर और संदर्भ के अनुसार समय को तय कर सकते हैं।

चरण	गतिविधि	आकलन
पहला चरण- मौखिक चर्चा	कक्षा की शुरुआत बच्चों के मनपसंद जानवरों पर चर्चा करने से करेंगे। उदाहरण के लिए- 1. अपने घर के आस-पास तुमने कौन-कौन से जानवर देखे हैं? 2. क्या तुमने कभी किसी जानवर की मदद की है?	प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का आकलन करेंगे। जैसे- आपका पसंदीदा जानवर कौन सा है, क्यों है?

	3. अच्छा चलो हम दो मिनट के लिए आँखें बंद करते हैं और फिर देखते हैं कि हमें कौन सा जानवर सबसे पहले दिखाई देता है? - कुछ सवालों और उन पर बातचीत के माध्यम से पाठ का संदर्भ बच्चों के बीच साझा करेंगे।	बच्चों को पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताब का चयन करने को कहेंगे और प्रत्येक बच्चे से स्तर के अनुरूप पढ़ने को कहेंगे।
दूसरा चरण- कहानी पठन एवं चर्चा	आवाज में उतार-चढ़ाव के साथ कहानी को सिलसिलेवार पढ़ते जाएंगे और बीच-बीच में पात्रों, घटनाओं को लेकर प्रश्न भी करते जाएंगे। उदाहरण के लिए- 1. क्या तुमने कभी साँप देखा है? वह कैसा दिखाई देता है? 2. बच्चा क्या बताना चाहता था? 3. नाना उसे कहाँ लेकर गए? 4. क्या आपने कभी सुना है, किसी को जब साँप ने काटा हो? इस तरह कहानी पूरी करने के बाद कहानी की समझ को लेकर बातचीत की जा सकती है। उदाहरण के लिए- 1. कहानी में तुम्हें सबसे अच्छा या सबसे बुरा क्या लगा? क्यों 2. क्या तुमने कभी अपने दादी-दादा, नानी-नाना, मम्मी-पापा से कोई कहानी सुनी है, यदि हाँ तो उसे सुनाइए। 3. बच्चों से कहें कि वे अपनी भाषा में कहानी का संक्षेप में वर्णन करें। 4. तुमने किसी को यह कहते सुना है कि साँप काटने के बाद तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए? यह क्यों जरूरी है? 5. अगर किसी को साँप काट ले और वह घबरा जाए, तो क्या होगा? 6. बच्चे के नाना उसे झाड़-फूँक वाले के पास क्यों ले गए? क्या उन्होंने बच्चे को वहाँ ले जाकर सही किया होगा?	
तीसरा चरण- कहानी पर चित्र निर्माण	• आपको कहानी का जो हिस्सा सबसे अच्छा लगा, उसका चित्र अपनी कॉपी में बनाओ, उनके नाम लिखिए और रंग भरिए। • साँप का चित्र बनाओ और उसमें अपने मनपसंद रंग भरो। साथ ही नीचे एक वाक्य लिखो, जैसे: यह साँप है, इसका रंग पीला है। • बच्चों ने मौखिक बातचीत में जो कहानियाँ या बातें बताई हैं, उनसे संबन्धित चित्र भी बनवा सकते हैं। • सभी बच्चों के चित्रों को चार्ट पर लगाकर कक्षा की दीवार पर लगा सकते हैं।	
चौथा चरण- ध्वनि, वर्ण पहचान, शब्द, वाक्य एवं कहानी निर्माण	1. पाठ में आए वर्णों की पहचान कराने के लिए वर्ण चुनकर, उससे संबन्धित चित्र दिखाकर उस पर गोला करने को कहेंगे। (चित्र को हम बोर्ड पर भी बना सकते हैं, जहां प्रत्येक बच्चे को बुलाकर गोला लगवा सकते हैं।) जिस वर्ण को बच्चे देरी से समझ रहे हैं, उस ध्वनि को बोलकर बच्चों से उस वर्ण पर गोला करने को कहेंगे। जैसे- प, न, ह, ब, स, व, क्ष आदि।	

2. शब्द बनाइए –

ना	क	आ →	म →	रा
का	ल	जो	ह	त
ला	म	द	जो	ल
म	ला	मा	बा	ल

जैसे- आम..... रात..... ....

3. कुछ वर्णों को अलग-अलग देकर उनसे शब्द निर्माण का काम कराया जा सकता है। जैसे –

(से) + (ब) = _____ ऐसे ही अन्य उदाहरण बोर्ड पर बनवाए।

4. नीचे दिए गए वाक्यों में सही शब्द भरना-

1. साँप _____ था। (जहरीला, काला)
2. साँप _____ में रहता था। (जंगल/नदी)
3. बच्चा _____हो गया। (ठीक, सही, बीमार)

5. वाक्य बनाइए-

जैसे- अगर तुम्हें साँप काट ले तो तुम क्या करोगे? इस प्रश्न पर दो या तीन वाक्य लिखिए। ऐसे और भी प्रश्न या स्थिति बच्चों को दी जा सकती है।

6. शब्दों से कहानी निर्माण करना- साँप, जंगल, शेर, रास्ता, घर, पेड़, बारिश, लोग।

7. इस गतिविधि को पर्यावरण अध्ययन के दिसंबर के पाठ हमारे साथी जानवर से जोड़ते हुए बच्चों के साथ उनके आस-पास रहने वाले पशु-पक्षियों के नाम लिखने को कहेंगे। साथ ही पालतू जानवरों की सूची बनाने को कहेंगे और उन्हें क्यों पालते हैं, लिखेंगे।

English

Grade	Learning outcomes	Suggested teaching practices	Textbook – Chapters / other material
1	• associates' words with pictures. • uses nouns such as 'boy', 'sun', and prepositions like 'in', 'on', 'under', etc. • identifies characters and sequence of a story and asks questions about the story. • differentiates between small and capital letters in print/Braille.	• Let's children make errors/mistakes in spellings/ punctuation/grammar (the focus on accurate spellings/ punctuation/ grammar gradually increases in classes IV and V through diverse exposures, and even then, the teacher is gentle and encouraging while correcting). • Draws attention to the sounds and letters in the printed/written material through diverse tasks to practice the awareness of sounds (phonological awareness) and sound-letter correspondence (phonics). • Uses various storytelling techniques, like taking pauses, asking children to guess what will happen next, etc. • Plans specific opportunities for children to journey from scribbling and drawing to independent writing (includes inventive spellings).	Unit 3 - Fun with Pictures - Fruits for All - A visit to the market
2	• uses prepositions like 'before', 'between' etc. • composes and writes simple, short sentences with space between words. • expresses verbally her/his opinion and asks questions about the characters, storyline, etc., in English/ home language. • sings songs/rhymes with action.		Unit 3 - Between Home and School - This is my Town Unit 4 - A show of Clouds
3	• identifies opposites like 'day/night', 'close-open', and such others. • uses punctuation such as question mark, full stop and capital letters appropriately. • writes 5-6 sentences in English on personal experiences/events using verbal or visual clues. • expresses orally her/his opinion/understanding about the story and characters in the story, in English/home language.	• Uses poems/stories as the basis for writing, initially letting children respond through scribbling and drawing then progressing to writing a few words or sentences through shared, guided, and independent writing tasks. • Encourages children to try telling/reading stories with actions and expressions. • Has wholesome conversations with children on a daily basis on topics related to their daily life experiences, contexts, interests, age, etc. using	Unit 8 -What's in the Mailbox? -My Silly Sister Unit 9 - Don't Tell
4	• speaks briefly on any familiar issue like conservation of water; and experiences of day-to-day life like visit to a zoo; going to mela. • enacts different roles in short skits.		Unit 7 -The Giving Tree - The Watering Rhyme - Donkey

	• uses punctuation marks appropriately in writing such as question mark, comma, full stop and capital letters. • presents orally and in writing the highlights of a given written text / a short speech / narration /video, film, pictures, photograph etc.	a mix of English and the children's home language(s). • Let's children make errors/mistakes in spellings/ punctuation/grammar (the focus on accurate spellings/ punctuation/ grammar gradually increases in classes IV and V through diverse exposures, and even then, the teacher is gentle and encouraging while correcting).	
5	• writes and speaks on peace, equality etc suggesting personal views appreciates either verbally / in writing the variety in food, dress, customs and festivals as read/heard in his/her day-to day life, in storybooks/ heard in narratives/ seen in videos, films etc. • uses synonyms such as 'big/large', 'shut/ close', and antonyms like inside/outside, light/dark from clues in context. • writes informal letters, messages and e-mails. • reads print in the surroundings (advertisements, directions, names of places etc), understands and answers queries.		Unit 8 - The little Bully - Nobody's Friend

Suggestive teaching plan

English

Class – 4 **Unit 7 - The Giving Tree**

Month- December	
Learning Outcomes	**Teaching Practices**
• uses nouns such as 'boy', 'sun', and prepositions like 'in', 'on', 'under',etc.	• Let's children make errors/mistakes in spellings/ punctuation/grammar (the focus on accurate spellings/ punctuation/ grammar gradually increases in classes IV and V through diverse exposures, and even then, the teacher is gentle and encouraging while correcting). • Has wholesome conversations with children on a daily basis on topics related to their daily life experiences, contexts, interests, age, etc. using a mix of English and the children's home language(s). • Uses poems/stories as the basis for writing, initially letting children respond through scribbling and drawing then progressing to writing a few words or sentences through shared, guided, and independent writing tasks.
• uses prepositions like 'before', 'between' etc.	
• identifies opposites like 'day/night', 'close-open', and such others.	
• uses punctuation such as question mark, full stop and capital letters appropriately.	
• uses synonyms such as 'big/large', 'shut/ close', and antonyms like inside/outside, light/dark from clues in context.	

Material Required: NCERT English Textbook Grade 1st to 5th

Suggestive Approach

Steps	Activities	Assessment
1. Discussion around the theme of the story	**Activity 1: Discussion through questions- (For All students)** 1- Who helps you the most in your family? 2- Do you share your things with others? What do you share with your friends/other people? 3- How do you feel when you share your things with others? **Activity 2: Discussion through Picture- (For students below FLN level)** • The pictures in the story will be shown to the students, and they will be asked to predict the story based on the picture. • Question will be asked related to facial expressions and actions taking place. Teacher will write down words related to the picture as target words on one side of the blackboard based on the picture: **Target words:** Little Boy, Tree, Apples, Branches, Trunk, Fruits, Old Man, Friend, Happy etc. • students can refer these during reading. **Activity 3: Discussion on the title of the story- (For students above FLN level)** 1- What is the name of the story? 2- What is the meaning of giving? 3- Guess what the story is about?	**For FLN Level Students** -Teacher can note if students can describe what they see and infer the story's possible events based on the picture? -Check if students are using appropriate English vocabulary? -Observe if they can recognize and match opposites correctly. -Use a simple oral quiz, asking: "What is the opposite of ____?"
2. Storytelling and Reading the text	**Activity 1: Storytelling with action and gestures- (For All)** • Teacher will then tell the summary of the story in mixed language and try to use phrases in English like “the tree loved the boy”. Instead to providing translation, action and gestures or pictures could be used to provide opportunities for meaning making. • Students need to get ample time to guess the meaning which helps them to boost confidence.	

	Activity 2: Reading the text- (For students above FLN level) • Teacher can read -aloud of the lesson followed by shared or independent reading. Students will read the words written on the blackboard in context and try to get the meaning with the help of it. Eg- **Come** here. The tree was very **Happy** etc**.** • Students will circle the words that they don't understand and refer to dictionary for the same. **Activity 3: Sounding out the words (For below FLN students)** • Teacher will ask these students to first find and sound out all the words written on the blackboard. • Then let them find familiar words and read those words. Teacher can then guide them to sounding out other words.	**For Students Above FLN Level** **-**Teacher can note if students understand the questions and respond appropriately? **-** Are they able to use new or familiar English words while answering? -Check their ability to use opposites in sentences. -Review their worksheets and writing tasks for correctness and understanding.
3. **Presenting grammar in context**	**Activity 1: Warm-Up (For All)** • Introduce the concept of opposite words using examples from everyday life. -Say: "If I say 'big,' what is the opposite?" Encourage guesses and repeat with other examples. -Use gestures, expressions, or visuals for clarity (e.g., showing big and small objects). **Activity 2: Word and Picture Match (For below FLN students)** • Provide a worksheet with images and words. (Link- https://www.kiddoworksheets.com/worksheet/matching-opposite-words/) • Students draw lines between opposites (e.g., big ↔ small). **Activity 3: Sentence Completion (For above FLN students)** • Provide sentences with blanks to be filled with opposites. Example- 1. The boy felt ____ when he took the tree's branches, but the tree felt happy. (Answer: happy/sad). 2. The tree's apples were ____ when they were ripe, but now they were few. (Answer: plenty/few) 3. The boy wanted ____ when he was young but needed little when he grew older. (Answer: much/little) 4. The boy ran ____ towards the tree when he was young but walked slowly when he grew old. (Answer: fast/slow) 5. The boy played during the ____ but rested at night. (Answer: day/night)	

	Activity 4: Opposites Relay Game (For All) • Divide students into two teams. • Show a word or image to one team, and they must say the opposite within 5 seconds. • Alternate their turns, keeping it light and fun.	
What To Write	**Activity 1: Creative Writing (For above FLN level)** • Ask students to write 2-3 sentences using opposite words from the chapter. These sentences could follow a sentence pattern: Example: "When the tree was young, it was tall. Now it is old and short." "When the apples were unripe, it was sour. Now it was ripe and sweet." **Activity 2: Draw and Write (For below FLN level)** • In their notebooks ask the students to make two columns. On one side they could draw a happy tree and a sad one on the other. • Use coloured pencils or crayons to add a creative element, letting students colour the happy tree and sad tree while saying the opposite words aloud and writing those words below. • They could draw other words too like young-old, tall- short etc.	
Morning Assembly/Pratibha Diwas	**Activity 1: Make shapes and act out (For FLN students)** • Students could practice and the perform the actions below through body movements: (a) Let's see your branches. (b) Let's see a full tree with fruits and leaves. (c) Enact a cut tree with only a trunk. (d) Use your body to jump. (e) How do you climb a tree? **Activity 2: Let's Act (For above FLN students)** • Students could be divided into groups and practice certain sections of the story. One/two students could also play narrators. • The roleplay could be acted out in mixed language if that is comfortable for the students.	

गणित

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	• सरल आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न का विस्तार करते हैं। • अमानक इकाइयों का प्रयोग कर विभिन्न बर्तनों की धारिता की तुलना करते हैं।	• संख्या समझ के लिए संख्या अनुमान, संख्या निरूपण और संख्या पर आधारित विभिन्न पैटर्न व पहेलियों पर छात्रों को चुनौती देते हैं। • पैटर्न की समझ का विकास (चित्रों, संख्याओं, प्रतीकों, तथा गुणा, जोड़, घटाना) की संक्रियाओं पर पैटर्न का विकास करवाते हैं। • ज्यामिति तथा संख्या पैटर्न का अवलोकन तथा चर्चा करवाते हैं। • मानक इकाई की आवश्यकता के लिए प्रैक्टिकल कार्य करवाते हैं। इसके लिए कहानी के आधार पर अभिनय, परिस्थिति देकर समूह कार्य करवाना, दैनिक जीवन की परिस्थितियों पर बात करना इत्यादि कार्य शामिल करते हैं।	पाठ-10 पैटर्न की पहचान पाठ-11 जग मग, जग मग https://shorturl.at/v1Gd8 https://sulkurl.com/c5S (इस लिंक पर कक्षा 1 से कक्षा 5 तक विभिन्न संबोधों पर आधारित गतिविधियां प्राप्त की जा सकती हैं।)
4	• गुणा तथा भाग में पैटर्न की पहचान कर सकते हैं। • सममिति पर आधारित ज्यामिति पैटर्न का अवलोकन, पहचान कर उनका विस्तार करते हैं। • एक संख्या से दूसरी संख्या को विभिन्न तरीकों से भाग देते हैं। • बराबर बाँटकर, बार-बार घटकर भाग तथा गुणा के अंतरसंबंधों का उपयोग करते हैं।	• गुणन तथ्यों, घूर्णन पर पैटर्न का विकास कर चार्ट पर पैटर्न बनवाते एवं कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित करवाते हैं। • पैटर्न की समझ का विकास (चित्रों, संख्याओं, प्रतीकों, तथा गुणा, जोड़, घटाना की संक्रियाओं पर पैटर्न) करवाते हैं। • 2, 3, 4, 5 तथा 10 के गुणन तथ्य बनवाने तथा दैनिक परिस्थितियों में उनके उपयोग से संबंधित कार्य करवाते हैं। • गुणन तथ्यों को भाग से जोड़कर देखने संबंधित अभ्यास करवाते हैं जैसे, 3 x 4 = 12 तो 12 / 3 = 4 या 12/4 = 3, अर्थात 12 वस्तुओं से 3-3 वस्तुओं के चार समूह या 4-4 वस्तुओं के तीन समूह बनाए जा सकते हैं। • छात्रों को सामान्यत: आने वाली कठिनाइयों को समझते हैं (जैसे – भाग नहीं जाना या ऐसी संख्याओं में भाग देना, जिनमें 0 भी होता है) और कठिनाइयों के हल के लिए सामग्री के साथ तर्कपूर्ण कार्य करवाते हैं।	पाठ-10 पैटर्न पाठ 11 पहाड़े और बंटवारे

5	• भिन्न को दशमलव संख्या तथा दशमलव संख्या को भिन्न संख्या में लिखते हैं। • सरल ज्यामितीय आकृतियों (त्रिभुज, आयत, वर्ग) का क्षेत्रफल तथा परिमाप एक दी हुई आकृति को इकाई मानकर ज्ञात करते हैं। जैसे- किसी टेबल की ऊपरी सतह को भरने के लिए एक जैसी कितनी किताबों की आवश्यकता पड़ेगी।	• मीटर तथा सेंटीमीटर आदि इकाइयों के अंतरसंबंध तथा रूपान्तरण की समझ पर दशमलव भिन्न की समझ का उपयोग कर कार्य करते है। • गतिविधियों के द्वारा आयत व वर्ग के क्षेत्रफल के सूत्र का निर्माण करवाते हैं एवं परिमाप एवं क्षेत्रफल की अवधारणा का उपयोग करते हुए दैनिक जीवन की परिस्थिति हल करने व नई समस्या के निर्माण करने का अवसर देते हैं।	पाठ-10 दसवां और सौवाँ भाग पाठ-11 क्षेत्रफल और घेरा

सुझावात्मक शिक्षण योजना

गणित

कक्षा 5 **पाठ 11- क्षेत्रफल और घेरा**

माह– दिसंबर

सीखने के प्रतिफल	शिक्षण अभ्यास
सरल ज्यामितीय आकृतियों (त्रिभुज, आयत, वर्ग) का क्षेत्रफल तथा परिमाप एक दी हुई आकृति को इकाई मानकर ज्ञात करते हैं। जैसे- किसी टेबल की ऊपरी सतह को भरने के लिए एक जैसी कितनी किताबों की आवश्यकता पड़ेगी।	गतिविधियों के द्वारा आयत व वर्ग के क्षेत्रफल के सूत्र का निर्माण करवाते हैं एवं परिमाप एवं क्षेत्रफल की अवधारणा का उपयोग करते हुए दैनिक जीवन की परिस्थिति हल करने व नई समस्या के निर्माण करने का अवसर देते हैं।

आवश्यक सामग्री- ग्रिड शीट/ग्राफ पेपर, धागा, फीता, स्केल, ट्रेसिंग पेपर।

सुझावात्मक प्रक्रिया-

चरण	सुझावात्मक गतिविधियां	आकलन
पुनरावृति	**गतिविधि 1 -** छात्रों से अपनी नोटबुक में कुछ बंद आकृतियाँ बनाने को कहें। उन्हें पैमाना/स्केल और धागा दें और उनसे कहें कि वे अपनी बनाई आकृति के घेरे की लंबाई निकालें।	1) कोई ऐसी पाँच चीजों के बारे में सोचिए, जिनका क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर से कम हो।

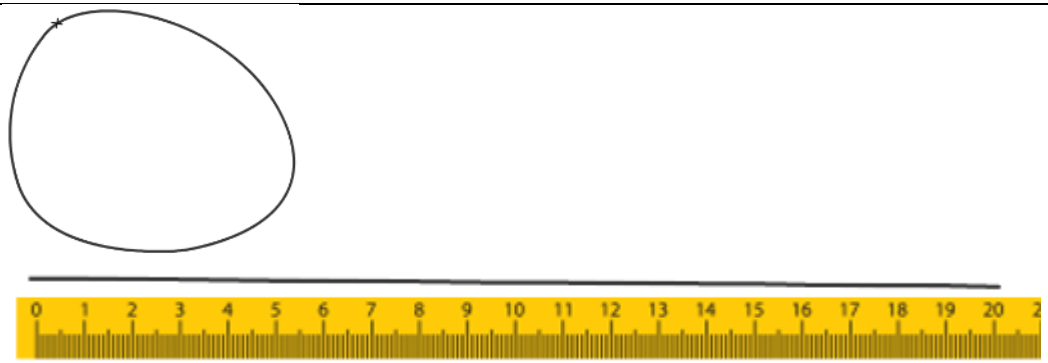

नोट: अनियमित आकृतियों के मापन के लिए धागे को आकृति की सीमा पर रखें और धागे की लंबाई को पैमाने की मदद से मापें। इससे किसी भी आकृति के घेरे की लंबाई (परिमाप) प्राप्त होती है।

गतिवधि 2 -

कक्षा में रखी मेज को देखकर अनुमान लगवाएँ कि इस मेज को कितनी गणित की किताबों से पूरा-पूरा ढका जा सकता है? अनुमान लगाने के बाद स्वयं करने को कहेंगे।

नोट: छात्रों के अनुमान को बोर्ड पर दर्ज कीजिए। इस पर चर्चा कीजिए कि किसका अनुमान उत्तर के ज्यादा नजदीक है। बातचीत को आगे ले जाते हुए इस बात को खासकर फोकस कीजिए कि इस मेज का **क्षेत्रफल** लगभग __ किताबें है। छात्रों से क्षेत्रफल के बारे में बातचीत करें।

आओ करके देखे

गतिविधि 3 -

छात्रों को गणित की कॉपी/ ग्राफ पेपर में निम्न प्रकार से आकृतियां बना कर दें-

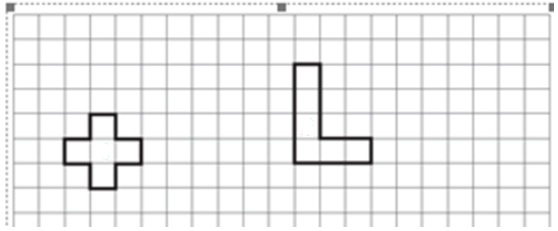

नोट: छात्रों को ग्राफ पेपर/ग्रिड के खानों की एक भुजा की लंबाई नापने को कहें जो कि 1 सेंटीमीटर है, इसके बाद उन्हें बनाई गयी आकृतियों का क्षेत्रफल ___ वर्ग सेंटीमीटर तथा घेरे की लंबाई ___ सेंटीमीटर में लिखने को कहें।

2) एक किसान था, वो अपने खेत को गेंहू की फसल उगाने के लिए तैयार कर रहा था। तभी उसने सोचा कि क्यों न खेत के आस-पास बाड़ लगाई जाएँ, जिससे आस-पास के जानवर फसल को बर्बाद न कर सकें। उसे अपने खेत में बाड़ लगाने के लिए कितनी रस्सी की जरूरत होगी?

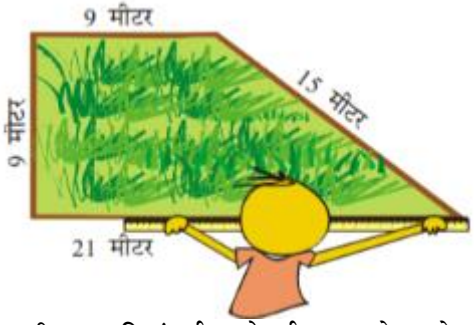

3) अपनी कक्षा की लंबाई व चौड़ाई पता करके उसके क्षेत्रफल व परिमाप निकालें।

4) निम्न के घेरे की लंबाई पता कीजिए, जिसे परिमाप भी कहते हैं-

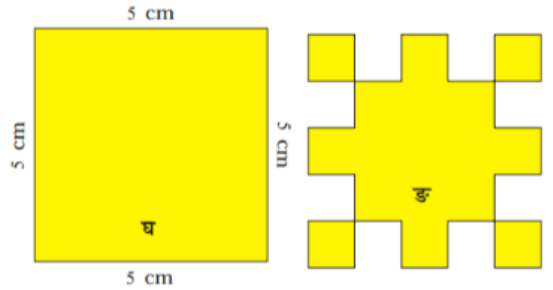

नोट: एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक से प्रश्न छात्रों को हल करने को दें।

<table>
<tr>
<td></td>
<td>

अभ्यास कार्य: छात्रों को निम्नलिखित क्षेत्रफल/परिमाप की आकृति बनाने को कहें:

1. जिसका परिमाप 12 सेंटीमीटर हो।
2. जिसका क्षेत्रफल 8 वर्ग सेंटीमीटर हो।
3. गतिविधि 2 में जब हम किताब से मेज का क्षेत्रफल नाप रहे थे और गतिवधि -3 में जब हम वर्ग सेंटीमीटर में क्षेत्रफल नाप रहे थे तो दोनों क्या अंतर दिखता है?

नोट- तीसरे प्रश्न में बातचीत के माध्यम से मानक इकाई की आवश्यकता पर बातचीत करें।

गतिविधि 4-

छात्रों को गणित की किताब या अन्य वस्तु जैसे ज्यामिती बॉक्स के क्षेत्रफल का अनुमान वर्ग सेंटीमीटर में लगाने को कहें एवं अपने अनुमान को ग्रिड पेपर की मदद से जाँचने को कहें।

नोट: जो छात्र अभी मानक इकाई (वर्ग सेंटीमीटर) को नहीं समझ पा रहे हैं, पहले उन्हें अमानक इकाई की मदद से अनुमान लगवाने से शुरू करें। इसके बाद उन्हें ग्रिड पेपर की मदद से क्षेत्रफल को मापने को कहें। ऐसे कुछ अभ्यास करवाने के बाद उन्हें वर्ग सेंटीमीटर में अनुमान लगाने को प्रोत्साहित करें।

गृहकार्य- कोई पाँच अलग-अलग प्रकार की पत्तियां इकट्ठी कीजिए व उनका क्षेत्रफल ग्राफ पेपर की मदद से वर्ग सेंटीमीटर में पता कीजिए। (पिछली कक्षा में इस पर कार्य हुआ है।)

</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>

सूत्र बनवाना

</td>
<td>

गतिविधि 5 –

आयत 'अ' आयत 'ब'

बोर्ड पर 'अ', 'ब' आकार के आयत बनाकर छात्रों से अनुमान लगाने को कहें कि किसका क्षेत्रफल ज्यादा होगा तथा कितना ज्यादा होगा?

</td>
<td></td>
</tr>
</table>

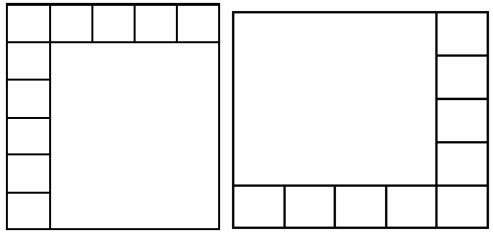

नोट: बोर्ड पर किसी भी माप के दो आयत बनाए जा सकते हैं। बातचीत को आगे बढ़ाते हुए इन आयतों को अनुमानानुसार 1 सेंटीमीटर वर्ग के खानों में बाँटिए। नीचे दी गयी टेबल को बोर्ड पर भरते रहिए-

आयत	लंबाई	चौड़ाई	परिमाप	क्षेत्रफल	
'अ'	5 सेंटीमीटर	6 सेंटीमीटर	5+6+5+6=22 सेंटीमीटर	30 वर्ग सेंटीमीटर	आयत 'अ' का क्षेत्रफल 5 वर्ग सेंटीमीटर ज्यादा है
'ब'	5 सेंटीमीटर	5 सेंटीमीटर	5+5+5+5=20 सेंटीमीटर	25 वर्ग सेंटीमीटर	

नोट: इसी प्रकार कुछ अन्य सवाल छात्रों को करने को दिए जा सकते हैं। शुरुआत में छात्रों को एक सेंटीमीटर वर्ग/ खाने गिनकर ही क्षेत्रफल निकालने को कहें। धीरे-धीरे छात्रों को आयत की लंबाई और चौड़ाई का संबंध क्षेत्रफल व परिमाप से देखने को कहें।

अभ्यास

गतिविधि 6-

प्रश्न 1:

आकृति	लंबाई	चौड़ाई	परिमाप	क्षेत्रफल
आयत 'अ'	3 सेंटीमीटर	5 सेंटीमीटर	_ सेंटीमीटर	_ वर्ग सेंटीमीटर
आयत 'ब'	2 मीटर	3 मीटर	_ मीटर	_ वर्ग मीटर
आयत 'स'	_ मीटर	_ मीटर	_ मीटर	12 वर्ग मीटर

प्रश्न 2: अपनी कक्षा के फर्श की लंबाई व चौड़ाई पता करें एवं उसके क्षेत्रफल व परिमाप निकालें।

नोट: गणित की पाठ्यपुस्तक के प्रश्न भी छात्रों को अभ्यास के लिए दें।

पज़ल टाइम

गतिविधि 7-

कक्षा में पेन्टोमिनो का परिचय दें और छात्रों को पेन्टोमिनो पज़ल हल करने को दें। इसे बाद उन्हें आकार के संबंध में सभी 12 टुकड़ों का निरीक्षण करने और उनके द्वारा दिखाई देने वाली आकृतियों की पहचान करने के लिए कहें। (छात्र इन्हें ग्रिड पेपर की एक शीट पर ट्रेस कर सकते हैं और जवाब दे सकते हैं।

नोट: पेन्टोमिनो पज़ल के बारे में एनसीईआरटी कक्षा 5, पृष्ठ संख्या 44 देखें। पज़ल का हल नीचे दिया गया है।

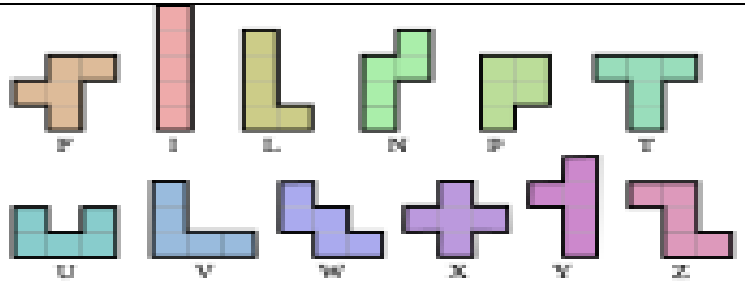

This Photo by Unknown Author is licensed under CC BY-SA

प्रश्न-

- प्रत्येक आकृतियों के क्षेत्रफल वर्ग सेंटीमीटर में नोट कीजिए।
- प्रत्येक आकृतियों का परिमाप कितना है? क्या यह सभी आकृतियों के लिए समान होगा?
- किन आकृतियों का क्षेत्रफल बराबर है किन्तु परिमाप अलग-अलग है?
- किन आकृतियों का परिमाप समान है? इनके क्षेत्रफल के बारे में आपकी क्या राय है?

नोट: इस गतिविधि से छात्रों को कुछ निष्कर्ष निकालने में मदद करें। जैसे;– "जरूरी नहीं कि समान क्षेत्रफल वाले आकृतियों का परिमाप समान हो" आदि।

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा	क्या सीखना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सीखना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सीखने के लिए सामग्री क्या होगी? (पाठ्यपुस्तक, अन्य सामग्री)
3	• अपने आस-पास के पशु-पक्षियों को भोजन तथा आश्रय संबंधी आवश्यकताओं के प्रति संवेदना दिखाते हैं।	• अवलोकन, डाटा एकत्रीकरण एवं विश्लेषण (Observation, Data collection and Analysis) • चर्चा करना (Discussion) • निर्माण करना (Create) • पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य संसाधनो का प्रयोग - अपने आस-पास के वातावरण के जानवरों और पक्षियों की विशिष्ट विशेषताओं का अवलोकन और अन्वेषण करने का अवसर दिए जाते हैं। - घर और आसपास जल संरक्षण के महत्त्व और तरीकों पर चर्चा करते हैं। - जल संरक्षण से संबन्धित स्लोगन/नारे/पोस्टर बनवाते हैं और कक्षा मे प्रदर्शित करने के अवसर दिए जाते हैं। - शिक्षक द्वारा प्रतिकूल उदाहरण देकर पूर्वाग्रहों, पक्षपातों और रूढ़ियों के बारे में चर्चा करने के अवसर दिए जाते हैं। - व्यवस्थित तरीके से अवलोकनों, अनुभवों और सूचनाओं को रिकॉर्ड करने और व्याख्या करने के अवसर दिये जाते हैं। - विभिन्न व्यवसायों (कृषि, कारीगर आदि) से संबन्धित लोगों की प्रक्रियाओं का अवलोकन करने और उनसे बातचीत/साक्षात्कार के अवसर दिये जाते है। - पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य संसाधन (पोस्टर, चित्र, ऑडियो-वीडियो, समाचार पत्र की कटिंग, मानचित्र) का उपयोग करते हैं। - समूहों में एक साथ काम करने के अवसर देकर देखभाल (care), सहानुभूति (sympathy) साझा करने, नेतृत्व की पहल करने के लिए प्रेरित करते है। - कहानियों/केस स्टडी/वीडियो स्क्रीनिंग के आधार पर छात्रों से प्रश्न आमंत्रित करते हैं।	पाठ- 19, हमारे साथी जानवर
	• दैनिक जीवन की गतिविधियों में नष्ट होने वाले पानी की मात्रा का आकलन करते है। • दैनिक जीवन में पानी के संरक्षण के तरीकों को बताते हैं।		पाठ- 20, बूंद-बूंद से
4	• परिवार/ आस-पड़ोस में व्याप्त रूढ़िबद्ध सोच जैसे जाति आधारित भेदभाव का अवलोकन और इस मुद्दों पर अपनी बात करते है।		पाठ- 22, दुनिया मेरे घर में
	• पूर्वजों से मिली विरासत की भूमिका की व्याख्या करते है।		पाठ- 23, पोचमपल्ली
	• भ्रमण किए गए स्थानों ऐतिहासिक स्थल के अवलोकन/ अनुभवों और सूचनाओं को विविध तरीकों से रिकॉर्ड करते है।		पाठ- 24, दूर देश की बात
5	• संसाधनों (भूमि, ईंधन वन, जंगल) की सुरक्षा हेतु सुझाव देते हैं तथा सुविधा वंचित के प्रति संवेदना दर्शाते हैं। • देश के विकास के लिए बनाई जा रही योजनाओं को समझते हैं एवं बातचीत कर पता लगाते हैं।		पाठ - 18, जाएं तो जाएं कहाँ

	• वर्तमान एवं अतीत में फसल उगाने, संरक्षण तथा उत्सव में आए यंत्रों पर बड़ों से बातचीत करते हैं।		पाठ- 19, किसानों की कहानी-बीज की जुबानी

सुझावात्मक शिक्षण योजना

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा – 3 **पाठ- बूंद-बूंद से**

माह – दिसंबर	
सीखने के प्रतिफल	**शिक्षण अभ्यास**
• दैनिक जीवन की गतिविधियों में नष्ट होने वाले पानी की मात्रा का आकलन करते हैं। • दैनिक जीवन में पानी के संरक्षण के तरीकों को बताते हैं।	• घर और आसपास जल संरक्षण के महत्त्व और तरीकों पर चर्चा करते हैं। • जल संरक्षण से संबन्धित स्लोगन/नारे/पोस्टर बनवाते हैं और कक्षा मे प्रदर्शित करते हैं। • व्यवस्थित तरीके से अवलोकनों, अनुभवों और सूचनाओं को रिकॉर्ड करने और व्याख्या करने के अवसर दिये जाते हैं।

पाठ का संदर्भ

'बूंद-बूंद' पाठ में बच्चों को पानी के बचाव एवं पुन: उपयोग को लेकर बातचीत की जा रही है। जिसमें पानी के बचाव को लेकर बच्चे अपने आस-पास के लोगों से बातचीत कर एवं स्वयं से अनुभव करके जल संरक्षण के तरीकों को समझ रहे होंगें। अपने दैनिक जीवन में होने वाली अलग-अलग गतिविधियों में पानी के प्रयोग एवं अनावश्यक रूप से पानी बर्बाद होने को लेकर समझ रहे होंगें और अनावश्यक रूप से बर्बाद होने वाले पानी को हम कैसे बचा सकते हैं, इसको लेकर तालिका तैयार कर रहे होगें।

आवश्यक सामग्री

पाठ्यपुस्तक- हमारे आस-पास, कक्षा- 3, चार्ट, लोटा, बाल्टी, नोटबुक, पेंसिल, पैमाना, कटोरी, चम्मच।

सुझावात्मक गतिविधियां

चरण	सुझावात्मक गतिविधियां	आकलन
पूर्व अनुभव पर बातचीत	बच्चों के साथ इससे पूर्व में पढ़े गए पाठों- 'पानी रे पानी', 'बादल आए बारिश लाए' के मुख्य आइडिया के ऊपर बातचीत होगी। जिसमें शिक्षक छात्रों को 'पानी रे पानी' पाठ की मुख्य विषयवस्तु 'पानी के स्त्रोतों' को बताएंगे। छात्रों से चर्चा करें कि 'बादल आए बारिश लाए' पाठ की मुख्य विषयवस्तु पानी की जरूरत हमारे अलावा और किन्हें होती है?	बूंद-बूंद से(आकलन पत्रक)

<table>
<tr>
<td>चर्चा करना</td>
<td>शिक्षक छात्रों को पाठ (बूंद-बूंद से) को पढ़ाने से पूर्व दिए गए चित्रों को देखने के लिए कहेगें। छात्रों की प्रतिक्रिया शिक्षक ध्यानपूर्वक सुनकर उसे श्यामपट्ट पर दर्ज कर रहे होंगे।
शिक्षक छात्रों को के साथ निम्न प्रश्नों से चर्चा की जाएगी–
चित्र में देखकर बताओ कि पानी कहाँ-कहाँ से आता है?
पानी की मदद से हम कौन-कौन से कार्य करते हैं?
आपने पानी कहाँ-कहाँ बर्बाद होते हुए देखा है?
पानी का संरक्षण या बचाव क्यों जरूरी है?</td>
<td>• पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों के माध्यम से आकलन कर रहे होगें।</td>
</tr>
<tr>
<td>अवलोकन एवं विश्लेषण करना</td>
<td>शिक्षक छात्रों को विद्यालय में अवलोकन करा रहे होंगें कि पानी का प्रयोग कहां-कहां हो रहा है और कैसे हो रहा है? उसे लिखित रूप में दर्ज किया जाएगा।
शिक्षक छात्रों से प्रश्न पूछ रहे होगें कि-
अगर नल से बूंद-बूंद पानी टपकता रहेगा तो क्या होगा?
छात्रों द्वारा दी जा रही प्रतिक्रिया को बोर्ड के ऊपर दर्ज कर विश्लेषण किया जाएगा।
शिक्षक छात्रों को एक गतिविधि करवा रहे होंगे-
नल से बूंद-बूंद पानी निकल रहा होगा? छात्र अवलोकन कर रहे होगें कि एक मिनट में कितना पानी बर्बाद हुआ? उसे छात्र लिखित रूप में दर्ज कर कर रहे होगें और बाद में उस पानी की मात्रा को नाप कर बता रहे होंगे कि नल टपकने से कुल कितना पानी बर्बाद हुआ?

शिक्षक नोट: नल से बूंद-बूंद पानी निकल रहा होगा, तब उसके नीचे कोई एक बर्तन जरूर हो।

छात्र अपने घर में पानी के संग्रहण के तरीकों का अवलोकन करेगें, जिसमें बच्चे हम पानी को कैसे संग्रहण करते है, इसे तालिका के रूप में दिखा रहे होंगे -
<table>
<tr><th>गाँव/ मोहल्ले/ कॉलोनी का नाम</th><th>घर में नल से पानी कितने समय तक आता है</th><th>अनुमान लगाकर बताइए, इतने समय आप कितने लीटर पानी भर लेते होंगे</th><th>पानी को कहाँ पर संग्रहित करके रखते हो</th><th>आपको कौन-सा पानी संग्रहण का तरीका सबसे अच्छा लगा</th><th>क्यों अच्छा लगा</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
छात्रों को अवलोकन कर इकट्ठा की गई जानकारी का विश्लेषण निम्न प्रश्नों से करवाया जाएगा-
- क्या सभी घरों में समान समय पानी आता है?
- क्या सभी घरों में पानी के संग्रहण की एक जैसी सुविधा है?</td>
<td></td>
</tr>
</table>

	- सभी घरों में पानी के संग्रहण को लेकर एक जैसी सुविधा क्यों नहीं होगी? - इस पूरे कार्य को छात्र तालिका के रूप में बनाकर प्रस्तुत करेंगे। - पानी बर्बाद न हो हम इसके लिए क्या-क्या प्रयास कर सकते हैं? किन्ही तीन प्रयासों को लिखिए।	
आओ खुद करके देखें	शिक्षक अपने निर्देशन में छात्रों से निम्न गतिविधि करवाएं- 1. कितने लोटे पानी से बाल्टी भरी ..... 2. एक लोटे से कितनी कटोरियाँ भरी जा सकती हैं? अनुमान लगाओ.....और अब भर के देखो। कितनी कटोरियाँ भरीं..... 3. एक कटोरी कितने चम्मच पानी से भरी जा सकती है ..... 4. इसी तरह बाकी चीजों के साथ भी बारी-बारी से करवाया जाए। इसे बच्चे अपने घर पर भी अलग-अलग बर्तन के साथ करके देख सकते हैं।	
	Work Plan- EVS-Ch-6.docx	

Reflection and Feedback

……..

……..

Note for the Resource Teacher

- कक्षा में बच्चों के साथ चर्चा करना सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें बच्चों को अपने अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच मिलता है। शिक्षण प्रक्रिया में बच्चों के साथ चर्चा-परिचर्चा बच्चों को विभिन्न तरह के अनुभवों से रूबरू होने के मौके मिल रहे होंगे।
- पर्यावरण अध्ययन विषय में बच्चों को अपने आस-पड़ोस में अवलोकन कर विश्लेषण करके मौके दिए जाते हैं तो बच्चे स्वयं से खोजकर, जानकारी एकत्रित करते हैं। इससे बच्चों के अंदर खोजी प्रवृत्ति का गुण विकसित होता है और बच्चे अपनी एक समझ बना रहे होते हैं।
- खुद करके देखने से बच्चों को अनुमान लगाने, जानकारी लिपिबद्ध करने, प्रयोग करने आदि कार्य, बच्चों में रटने की प्रवृत्ति को कम करता है और बच्चों में समझ बढ़ती है, वे अपने तर्क लगाते हैं।
- शिक्षक बच्चों को इस पाठ के माध्यम से गणित की मानक इकाइयों से मापन के तरीकों को बता रहे होंगें, जिससे विषय के आपसी अंतर-संबंध पर भी शिक्षक साथी समझ बना पायें।

संकुल स्तरीय बैठक

सत्र संचालन प्रक्रिया **कुल समय 4 घंटे**

माह – जनवरी			
सत्र	**सत्र नाम**	**सत्र की प्रक्रिया**	**समय**
एक	शिक्षण अनुभवों की शेयरिंग/ डेमोस्ट्रेशन	विगत माह चयनित शिक्षण पद्धतियों के आधार पर प्रत्येक विषय से एक शिक्षक से अनुरोध किया जाएगा कि निम्न तीन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए वे अपने शिक्षण अनुभव साझा करेंगे। इस प्रक्रिया में वे शिक्षक छात्रों के काम के सैंपल, वीडियो, फोटो आदि को भी साझा कर सकते हैं- 1. क्या पढ़ाया गया (विगत माह चयनित शिक्षण अभ्यास में से कोई दो उदाहरण) 2. कैसे पढ़ाया गया (दो-तीन गतिविधियों के उदाहरण, वीडियो, फोटो आदि) 3. छात्रों के सीखने के स्तर में किस तरह का परिवर्तन दिखाई दे रहा है। **विषयवार नोट:** **हिन्दी:** विगत माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ 12- जब मुझको साँप ने काटा, बच्चों के पत्र- केवल पढ़ने के लिए), कक्षा 4 के पाठ (पाठ 12- सुनीता की पहिया कुर्सी) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ 15- बिशन की दिलेरी, रात भर बिलखते-चिंघाड़ते रहे- केवल पढ़ने के लिए, पाठ 14- बाघ आया उस रात, पाठ 16- पानी रे पानी, नदी का सफर- केवल पढ़ने के लिए) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **English:** Selected teachers in the subject will be presenting their experiences based on the activities conducted in the schools as per the December month plan on Chapters (class 1 (Unit 3: Fun with Pictures, Fruits for All, a visit to the market), class 2 (Unit 3: Between Home and School, This is my town), class 3 (Unit 8- What's in the Mailbox?, My Silly Sister, Unit 9 – Don't Tell), class 4 (Unit 7- The Giving Tree, The Watering Rhyme, Donkey), class 5 (Unit 8- The little Bully, Nobody's Friend)). **गणित:** पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ-10 पैटर्न की पहचान, पाठ-11 जग मग, जग मग), कक्षा 4 के पाठ (पाठ -10 पैटर्न, पाठ 11 पहाड़े और बंटवारे) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ-10 दसवां और सौवाँ भाग, पाठ-11 क्षेत्रफल और घेरा) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे?	एक घंटा तीस मिनट

<table>
<tr><td></td><td></td><td>EVS: पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ -19 हमारे साथी जानवर, पाठ-20 बूंद-बूंद से), कक्षा 4 के पाठ (पाठ-22 दुनिया मेरे घर में, पाठ-23 पोचमपल्ली, पाठ-24 दूर देश की बात) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ – 18 जाएं तो जाएं कहाँ, पाठ – 19 किसानों की कहानी-बीज की जुबानी) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे?

संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- मासिक बैठक रजिस्टर में विगत माह की आख्या और उसमें सभी विषयों के लिए चयनित लर्निंग आउटकम और शिक्षण अभ्यास का अवलोकन कर लें। यदि ज़रूरी लगे तो शेयरिंग से पहले समूह में पढ़ा भी जा सकता है।</td><td></td></tr>
<tr><td>दो</td><td>चर्चा किए गए लर्निंग आउटकम एवं शिक्षण प्रक्रियाओं को केंद्र में रखकर
गतिविधियाँ, सामग्री, आकलन प्रश्न बनाना</td><td>1. विषयों (हिन्दी, English, गणित, एवं EVS) के उपसमूह बनाएं एवं उपसमूहों में शिक्षकों को मासिक कैलेंडर एवं पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।
2. कैलेंडर में दिए गए पाठ को समूह में पढ़ना, उसके मूलभाव को समझना और उदाहरण के लिए दिए गए टीचिंग प्लान को पढ़ना-समझना।
3. पाठ के मूलभाव एवं टीचिंग प्लान को ध्यान में रखते हुए आगामी माह के पाठ के लिए गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्नों का निर्माण करना।
प्रस्तुतीकरण- निम्न प्रारूप को ध्यान में रखते हुए समूह अपनी प्रस्तुति करेंगे-
<table>
<tr><td>चयनित लर्निंग आउटकम</td><td>शिक्षण अभ्यास</td><td>पाठ हेतु तैयार की गई गतिविधियां/ सामग्री</td><td>पाठ का नाम</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- इस सत्र के सफल संचालन के लिए मासिक कैलेंडर, पाठ्यपुस्तक एवं सेंपल टीचिंग प्लान की कॉपी लेकर जाएं, जिसे शिक्षकों के ग्रुप में उपलब्ध कराया जा सके। भाषा (अंग्रेजी एवं हिन्दी) के प्लान में सुबोपलि (LSRW) के कौशलों को समाहित एवं बुनियादी भाषा के कौशलों पर आधारित गतिविधियों के साथ-साथ कक्षा स्तर की गतिविधियों को शामिल करना सुनिश्चित करवाएं।</td><td>एक घंटा</td></tr>
<tr><td>तीन</td><td>शिक्षकों के द्वारा प्रस्तुतीकरण</td><td>इस सत्र में शिक्षक बनाई गई शिक्षण योजना, गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्न आदि को साझा करेंगे। प्रस्तुति के दौरान अन्य समूह (जो प्रस्तुति सुन रहे हैं) निम्न बिन्दुओं को अपनी कॉपी में नोट करेंगे-
1. प्रस्तुति (शेयरिंग) में चयनित सीखने के प्रतिफलों में से कौन से प्रतिफलों पर फोकस किया गया है?
2. क्या गतिविधियों तथा प्रश्न निर्माण में कक्षा में छात्रों के विभिन्न सीखने के स्तरों का ध्यान रखा गया है? इसके कुछ उदाहरण क्या हैं?
प्रत्येक प्रस्तुति के बाद उपरोक्त बिंदुओं को साझा किया जाएगा।</td><td>एक घंटा</td></tr>
<tr><td>चार</td><td>समेकन और आगे की योजना</td><td>समेकन- प्रस्तुतीकरण हो जाने के बाद संदर्भ शिक्षक पुन: कक्षावार आवश्यक लर्निंग आउटकम, शिक्षण प्रक्रियाओं और उन गतिविधियों को खासतौर से सामने रखेंगे, जो विषय समूहों ने बनाई है। अगली प्रस्तुति के लिए सुझाव के बिंदु और अगली प्रस्तुति के लिए शिक्षकों का चयन आदि कार्य किए जाएँगे।
संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- सत्रों में हुई चर्चा एवं आगामी माह की योजना को संलग्न फॉर्मेट में दर्ज करेंगे एवं अपने समूह में साझा करेंगे।</td><td>तीस मिनट</td></tr>
</table>

		Note for Resource Teacher (English Language): The resource teacher/facilitator will summarize the session on the teaching practices given below – • Increases her use of English outside the English classroom, for example, in the morning assembly and during the mid-day meal, using diverse inputs, such as instructions and small talk. • Uses conversations for modelled writing (and its shared reading) to build awareness of print and to practice reading, in general. • Connects the stories, rhymes, songs and poems to the lives of children through wholesome conversations. • Plans specific opportunities for children to build awareness of print and practice reading in general using the written/printed forms of talk, conversations, rhymes, songs, poems, stories, etc. given in the textbooks, classroom print, board etc.	

मासिक विभाजन

हिन्दी भाषा

आरंभिक भाषा शिक्षण के समूचे काम में जिन कौशलों का विकास अपेक्षित है, उनमें हैं- सुनकर समझना और सोचकर बोलना, पढ़कर समझना और समझकर व्यक्त करना, लिखकर अभिव्यक्त करना, स्वतन्त्र व सृजनात्मक अभिव्यक्तियाँ। यह कौशल क्रमश: नहीं विकसित होते वरन एक दूसरे के साथ-साथ विकसित होते हैं। इसलिए इनको हासिल करने की प्रक्रियाएं भी क्रमश: न होकर साथ-साथ होती हैं। यह भाषा शिक्षण की ख़ास स्वभावगत विशेषता है। कक्षा 1 व 2 में स्वाभाविक तौर पर बुनियादी साक्षरता पर काम होता है। कक्षा 3, 4 और 5 को देखें तो इन कक्षाओं में आधारभूत भाषाई कौशलों के साथ सीखने के विस्तार पर काम किया जाना है। शिक्षकों से यही अपेक्षा है कि पाठों को आधार बनाकर और बाल साहित्य तथा शिक्षण प्रक्रियाओं को समाहित करते हुए ऐसी समग्र शिक्षण योजना बनाकर क्रियान्वित करें, जिसमें ऐसे अभ्यास और गतिविधियाँ हों, जिनसे हर स्तर के बच्चों की सीखने की जरूरत को पोषित किया जा सके। इसके लिए SCERT उत्तराखण्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई FLN शिक्षक संदर्शिका, कार्यपुस्तिकाओं, स्वयं की अधिगम डायरी आदि स्रोतों से अनेक अभ्यास और गतिविधियों को काम में लिया जाएगा। इसके साथ-साथ रीडिंग कॉर्नर, बाल साहित्य व अन्य पठन सामग्री को पढ़ने-लिखने में इस्तेमाल करना है। इसके साथ ही बाल शोध विधा, सुबह की सभा, प्रतिभा दिवस, दिवस विशेष, लिखित भाषा समृद्ध वातावरण को भी सीखने-सिखाने के लिए इस्तेमाल करते हुए समृद्ध मायने देना है।

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	1. कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं। 2. पढ़ने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं। 3. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे- दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादन को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।	1. कक्षा में बाल साहित्य, अन्य पठन सामग्री के लिए रीडिंग कॉर्नर बना हुआ है और उसके रख-रखाव एवं निरंतर उपयोग में बच्चों की भागीदारी को सुनिश्चित किया जाता है। 2. कक्षा की बातचीत को पढ़ने-लिखने के अवसर के रूप में उपयोग कर पाते हैं। 3. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 3- पाठ 12- मिर्च का मज़ा 2. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=g25wFI3yxWg 3. बाल साहित्य- लालू और पीलू
4	1. विविध प्रकार की सामाग्री जैसे (समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक और बाल पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। 2. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।	1. कहानी पर विविध गतिविधियाँ जैसे- चित्र देखकर पात्रों के नाम लिखना, शब्दों से कहानी बनाना, अधूरी कहानी को पूरा करना आदि कराई जाती हैं। 2. बाल सभा, सुबह की सभा और विभिन्न अवसरों पर पुस्तकों पर बातचीत की जाती है। शिक्षक स्वयं भी अपनी पढ़ी कहानियां सुनाते हैं। 3. कक्षा की बातचीत को पढ़ने-लिखने के अवसर के रूप में उपयोग कर पाते हैं।	1. रिमझिम- कक्षा 4- पाठ 13- हुदहुद 2. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=Vp7SLGn5gKk 3. कान-कान में (आस-पास, भाग- 2)

	3. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे- पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।		
5	1. सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। 2. भाषा की व्याकरणिक इकाइयों, जैसे- कारक-चिन्ह, क्रिया, काल विलोम आदि की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। 3. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।	1. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है। 2. कहानी, कविता पर विविध गतिविधियाँ, जैसे- चित्र देखकर पात्रों के नाम लिखना, शब्दों से कहानी कविता बनाना, अधूरी कहानी कविता को पूरा करना आदि कराई जाती हैं। 3. पाठ्यपुस्तक के अलावा जिस सामग्री का चयन किया जाता है, वह कक्षा और बच्चों के स्तर और सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ को ध्यान में रखकर किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 5- पाठ 17- छोटी-सी हमारी नदी 2. रिमझिम- कक्षा 5- जोड़ासाँको वाला घर (केवल पढ़ने के लिए) 3. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=t9wUhE1iCWM 4. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=HPnR30V2Ky8

English Language

Grade	Learning outcomes	Suggested teaching practices	Textbook – Chapters / other material
1	• differentiates between small and capital letters in print/Braille. • carries out simple instructions such as 'Shut the door', 'Bring me the book', and such others. • identifies characters and sequence of a story and asks questions about the story. • writes simple words like fan, hen, rat etc.	• Increases her use of English outside the English classroom, for example, in the morning assembly and during the mid-day meal, using diverse inputs, such as instructions and small talk. • Uses conversations for modelled writing (and its shared reading) to build awareness of print and to practice reading, in general. • Connects the stories, rhymes, songs and poems to the lives of children through wholesome conversations.	Unit 3 - A visit to the market (page 88)
2	• expresses verbally her/his opinion and asks questions about the characters, storyline, etc., in English/ home language.		Unit 4 - My Name Unit 5 - Little Drops of Water

	• draws/ writes a few words/short sentences in response to poems and stories. • Uses simple adjectives related to size, shape, colour, weight, texture such as 'big', 'small', 'round', 'pink' 'red' 'heavy' 'light' 'soft' etc. • composes and writes simple, short sentences with space between words.	• Plans specific opportunities for children to build awareness of print and practice reading in general using the written/printed forms of talk, conversations, rhymes, songs, poems, stories, etc. given in the textbooks, classroom print, board, etc.	
3	• reads small texts in English with comprehension i.e., identifies main idea, details and sequence and draws conclusions in English. • distinguishes between simple past and simple present tenses. • reads printed scripts on the classroom walls: poems, posters, charts etc. • uses vocabulary related to subjects like Maths, EVS, relevant to class III.	• Makes planned efforts to talk using comprehensible input in order to familiarize children with the vocabulary and sentence structures of English without resorting to translation. • Plans specific opportunities for children to build awareness of print and practice reading in general using the written/printed forms of talk, conversations, rhymes, songs, poems, stories, etc. given in the textbooks, classroom print, board, etc. • Creates specific opportunities for children to share what they have read and carries the conversation forward by asking a mix of comprehension and inferential questions (over time, the questions become more critical, and the use of language also becomes more complex in classes IV and V). • Uses poems/stories as the basis for writing, initially letting children respond through scribbling and drawing then progressing to writing a few words or sentences through shared, guided, and independent writing tasks.	Unit 9 - He is my brother
4	• responds to simple instructions, announcements in English made in class/school. • shares riddles and tongue-twisters in English. • solves simple crossword puzzles, builds word chains, etc. • writes informal letters/messages with a sense of audience.		Unit 8 -Books -Going to buy a Book
5	• conducts short interviews of people around him e.g interviewing grandparents, teachers, school librarian, gardener etc. • attempts to write creatively (stories, poems, posters, etc) • reads print in the surroundings (advertisements, directions, names of places etc), understands and answers queries.		Unit 9: Sing a Song of People

गणित

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	• भाग के तथ्यों को बराबर समूह में बाँटने और बार-बार घटाने की प्रक्रिया के रूप में समझते हैं। उदाहरण के लिए, 12÷3 में 12 को 3-3 के समूह में बांटने पर कुल समूहों की संख्या 4 होती है अथवा 12 में से 3 को बार-बार घटाने की प्रक्रिया जो कि 4 बार में सम्पन्न होती है।	• छात्रों से वस्तुओं को बराबर-बराबर बाँटने और बार-बार घटाने के कार्य करवाते हैं। जैसे – समूह में कंकड़, बीज, मोती देकर समूह के सभी छात्रों में बराबर बांटने के काम करवाते हैं और इसे भाग की अवधारणा से जोड़ते हैं। • गुणन तथ्यों को भाग से जोड़कर देखने संबंधित अभ्यास करवाते हैं, जैसे; 3 x 4 = 12 तो 12 / 3 = 4 या 12/4 = 3, अर्थात 12 वस्तुओं से 3-3 वस्तुओं के चार समूह या 4-4 वस्तुओं के तीन समूह बनाए जा सकते हैं।	पाठ- 12, कैसे कैसे बाँटे?
4	• छात्र वस्तुओं के वजन का मापन करते हैं एवं अनुमान लगाते हैं। • दैनिक जीवन में वजन से संबंधित प्रश्नों को चार मूलभूत गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर हल करते हैं।	• मानक इकाई की आवश्यकता के लिए प्रेक्टिकल कार्य करवाते हैं। इसके लिए कहानी के आधार पर अभिनय, परिस्थिति देकर समूह कार्य करवाना, दैनिक जीवन की परिस्थितियों पर बात करना इत्यादि कार्य शामिल करते हैं। • तुला द्वारा वस्तुओं का वजन मापन एवं अनुमान लगवाते हैं। • एक तराजू बनाकर मानक बाटों से वस्तुओं (दाल, नमक, बिस्कुट आदि) का वजन नपवाते हैं।	पाठ- 12, कितना भारी? कितना हल्का?
5	• दैनिक जीवन से संबंधित विभिन्न आँकड़ों को एकत्र करते हैं तथा सारणीबद्ध कर सकते हैं एवं दण्ड आलेख खींचकर उनकी व्याख्या करते हैं।	• आँकड़ों का संग्रहण (मासिक परीक्षा के अंक, दैनिक उपस्थिति, वस्तुओं की मूल्य सूची आदि पर) एवं विश्लेषण करवाते हैं। • चार्ट पेपर पर दण्ड आलेख खिंचवाते हैं।	पाठ-12, स्मार्ट चार्ट

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	• परिवार के सदस्यों के साथ अपने आपस के संबंधों को समझते हैं।	• चर्चा करना • मानचित्र का प्रयोग • अवलोकन एवं डाटा एकत्रीकरण - स्वयं, परिवार, पड़ोस एवं समाज के बारे में चर्चा करने का अवसर देते हैं। - विद्यार्थियों को अपने घर से स्कूल तक के रास्ते तथा अपने आस-पास के अन्य रास्तों का अवलोकन करने तथा मानचित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। - मंदिर, तालाब, स्कूल, कंक्रीट सड़क, मिट्टी की सड़क आदि जैसे प्रतीकों और स्थानों की पहचान और समझने में सहायता करते हैं। - छात्रों से पौधों का निरीक्षण करने, उनकी सूची बनाने, उनके नमूने लाने और चित्र बनाने को कहते हैं, जो उन्हें भोजन और आम मसाले प्रदान करते हैं। साथ ही उन्हें गंध और स्वाद से पहचानने के अवसर दिये जाते हैं। - आसपास के वातावरण, अर्थात घर, विद्यालय और पड़ोस में विभिन्न वस्तुओं / फूलों / पौधों / जानवरों / पक्षियों की सरल अवलोकनीय भौतिक विशेषताओं (विविधता, रहने के स्थान, भोजन की आदतें, आवश्यकताएं, घोंसले, समूह व्यवहार आदि) का अवलोकन और अन्वेषण करने के अवसर दिये जाते हैं।	पाठ- 21, तरह तरह के परिवार
	• चिन्हों, संकेतों द्वारा सामान्य मानचित्र में दिशाओं, वस्तुओं, स्थानों की, स्थितियों की पहचान करते हैं।		पाठ- 22, दायाँ-बायाँ
4	• विभिन्न प्रकार के मसाले व पकवानों की पहचान करते हैं। • मसाले और उसके उपयोग के आधार पर उन्हें समूहों में बांटते हैं।		पाठ- 25, चटपटी पहेलियाँ
5	• पेड़-पौधे, जंतुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन करते हैं। • जंगल के महत्त्व को समझते हैं।		पाठ- 20, किसके जंगल?

संकुल स्तरीय बैठक

सत्र संचालन प्रक्रिया **कुल समय- 4 घंटे**

माह- फरवरी			
सत्र	**सत्र नाम**	**सत्र की प्रक्रिया**	**समय**
एक	शिक्षण अनुभवों की शेयरिंग/ डेमोस्ट्रेशन	विगत माह चयनित शिक्षण पद्धतियों के आधार पर प्रत्येक विषय से एक शिक्षक से अनुरोध किया जाएगा कि निम्न तीन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए वे अपने शिक्षण अनुभव को साझा करेंगे। इस प्रक्रिया में वे शिक्षक छात्रों के काम के सैंपल, वीडियो, फोटो आदि को भी साझा कर सकते हैं- 1. क्या पढ़ाया गया (विगत माह चयनित शिक्षण अभ्यास में से कोई दो उदाहरण) 2. कैसे पढ़ाया गया (दो-तीन गतिविधियों के उदाहरण, वीडियो, फोटो आदि) 3. छात्रों के सीखने के स्तर में किस तरह का परिवर्तन दिखाई दे रहा है। **विषयवार नोट:** **हिन्दी:** विगत माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ 12- मिर्च का मज़ा), कक्षा 4 के पाठ (पाठ 13- हुदहुद) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ 17- छोटी-सी हमारी नदी, जोड़ासाँको वाला घर- केवल पढ़ने के लिए) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **English:** Selected teachers in the subject will be presenting their experiences based on the activities conducted in the schools as per the December month plan on Chapters class 1 (Unit 3: A visit to the market), class 2 (Unit 4: My Name, Unit 5: Little Drops of Water), class 3 (Unit 9: He is my brother), class 4 (Unit 8: Books, Going to buy a Book), class 5 (Unit 9: Sing a Song of People). **गणित:** पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ 12- कैसे कैसे बाँटें?), कक्षा 4 के पाठ (पाठ 12- कितना भारी? कितना हल्का?) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ 12- स्मार्ट चार्ट) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **EVS:** पिछले माह कक्षा 3 के पाठ (पाठ 21- तरह तरह के परिवार, पाठ 22- दायाँ-बायाँ), कक्षा 4 के पाठ (पाठ 25- चटपटी पहेलियाँ) और कक्षा 5 के पाठ (पाठ 20- किसके जंगल?) को पढ़ाने के दौरान आपके क्या अनुभव रहे? **संदर्भ शिक्षक के लिए नोट-** मासिक बैठक रजिस्टर में विगत माह की आख्या और उसमें सभी विषयों के लिए चयनित लर्निंग आउटकम और शिक्षण अभ्यास का अवलोकन कर लें। यदि ज़रूरी लगे तो शेयरिंग से पहले समूह में पढ़ा भी जा सकता है।	एक घंटा तीस मिनट

<table>
<tr>
<td>दो</td>
<td>चर्चा किए गए लर्निंग आउटकम एवं शिक्षण प्रक्रियाओं को केंद्र में रखकर गतिविधियाँ, सामग्री, आकलन प्रश्न बनाना</td>
<td>1. विषयों (हिन्दी, English, गणित एवं EVS) के उपसमूह बनाएं एवं उपसमूहों में शिक्षकों को मासिक कैलेंडर एवं पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।
2. कैलेंडर में दिए गए पाठ को समूह में पढ़ना, उसके मूलभाव को समझना और उदाहरण के लिए दिए गए टीचिंग प्लान को पढ़ना-समझना।
3. पाठ के मूलभाव एवं टीचिंग प्लान को ध्यान में रखते हुए आगामी माह के पाठ के लिए गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्नों का निर्माण करना।
प्रस्तुतीकरण- निम्न प्रारूप को ध्यान में रखते हुए समूह अपनी प्रस्तुति करेंगे-
<table>
<tr><th>चयनित लर्निंग आउटकम</th><th>शिक्षण अभ्यास</th><th>पाठ हेतु तैयार की गई गतिविधियां / सामग्री</th><th>पाठ का नाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>
संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- इस सत्र के सफल संचालन के लिए मासिक कैलेंडर, पाठ्यपुस्तक एवं सेंपल टीचिंग प्लान की कॉपी लेकर जाएं, जिसे शिक्षकों के ग्रुप में उपलब्ध कराया जा सके। भाषा (अंग्रेजी एवं हिन्दी) के प्लान में सुबोपलि (LSRW) के कौशलों को समाहित एवं बुनियादी भाषा के कौशलों पर आधारित गतिविधियों के साथ-साथ कक्षा स्तर की गतिविधियों को शामिल करना सुनिश्चित करवाएं।</td>
<td>एक घंटा</td>
</tr>
<tr>
<td>तीन</td>
<td>शिक्षकों के द्वारा प्रस्तुतीकरण</td>
<td>इस सत्र में शिक्षक बनाई गई शिक्षण योजना, गतिविधियां, सामग्री एवं आकलन प्रश्न आदि को साझा करेंगे। प्रस्तुति के दौरान अन्य समूह (जो प्रस्तुति सुन रहें हैं) निम्न बिन्दुओं को अपनी कॉपी में नोट करेंगे-
1. प्रस्तुति (शेयरिंग) में चयनित सीखने के प्रतिफलों में से कौन से प्रतिफलों पर फोकस किया गया है?
2. क्या गतिविधियों तथा प्रश्न निर्माण में कक्षा में छात्रों के विभिन्न सीखने के स्तरों का ध्यान रखा गया है? इसके कुछ उदाहरण क्या है?
प्रत्येक प्रस्तुति के बाद उपरोक्त बिंदुओं को साझा किया जाएगा।</td>
<td>एक घंटा</td>
</tr>
<tr>
<td>चार</td>
<td>समेकन और आगे की योजना</td>
<td>समेकन- प्रस्तुतीकरण हो जाने के बाद संदर्भ शिक्षक पुन: कक्षावार आवश्यक लर्निंग आउटकम, शिक्षण प्रक्रियाओं और उन गतिविधियों को खासतौर से सामने रखेंगे, जो विषय समूहों ने बनाई है। अगली प्रस्तुति के लिए सुझाव के बिंदु और अगली प्रस्तुति के लिए शिक्षकों का चयन आदि कार्य किए जाएँगे।
संदर्भ शिक्षक के लिए नोट- सत्रों में हुई चर्चा एवं आगामी माह की योजना को संलग्न फॉर्मेट में दर्ज करेंगे एवं अपने समूह में साझा करेंगे।
Note for Resource Teacher (English Language): Apart from the above the resource teacher will also highlight the following:
1. Second language acquisition happens best when there's sufficient exposure to the language both oral and print.
2. It is important that children get different opportunities to interact with many different forms of print. This requires planned display and use of print meaningfully during all the teaching and learning processes.
3. The classroom print should be dynamic and complement the learning outcomes in focus (for the week/month).
4. The print material should not just be created by the teacher. Children can also be involved in co-creating print material and encouraged to explore them independently.
5. A variety of print material should be developed keeping in mind the various learning levels and interests of children so that the purpose of meaning-making is served.
6. There should be opportunities/scope in the teaching processes where children independently also engage with the print material around them.</td>
<td>तीस मिनट</td>
</tr>
</table>

मासिक विभाजन

हिन्दी भाषा

आरंभिक भाषा शिक्षण के समूचे काम में जिन कौशलों का विकास अपेक्षित है, उनमें हैं- सुनकर समझना और सोचकर बोलना, पढ़कर समझना और समझकर व्यक्त करना, लिखकर अभिव्यक्त करना, स्वतन्त्र व सृजनात्मक अभिव्यक्तियाँ। यह कौशल क्रमश: नहीं विकसित होते वरन एक दूसरे के साथ-साथ विकसित होते हैं। इसलिए इनको हासिल करने की प्रक्रियाएं भी क्रमश: न होकर साथ-साथ होती हैं। यह भाषा शिक्षण की ख़ास स्वभावगत विशेषता है। कक्षा 1 व 2 में स्वाभाविक तौर पर बुनियादी साक्षरता पर काम होता है। कक्षा 3, 4 और 5 को देखें तो इन कक्षाओं में आधारभूत भाषाई कौशलों के साथ सीखने के विस्तार पर काम किया जाना है। शिक्षकों से यही अपेक्षा है कि पाठों को आधार बनाकर और बाल साहित्य तथा शिक्षण प्रक्रियाओं को समाहित करते हुए ऐसी समग्र शिक्षण योजना बनाकर क्रियान्वित करें, जिसमें ऐसे अभ्यास और गतिविधियाँ हों, जिनसे हर स्तर के बच्चों की सीखने की जरूरत को पोषित किया जा सके। इसके लिए SCERT उत्तराखण्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई FLN शिक्षक संदर्शिका, कार्यपुस्तिकाओं, स्वयं की अधिगम डायरी आदि स्रोतों से अनेक अभ्यास और गतिविधियों को काम में लिया जाएगा। इसके साथ-साथ रीडिंग कॉर्नर, बाल साहित्य व अन्य पठन सामग्री को पढ़ने-लिखने में इस्तेमाल करना है। इसके साथ ही बाल शोध विधा, सुबह की सभा, प्रतिभा दिवस, दिवस विशेष, लिखित भाषा समृद्ध वातावरण को भी सीखने-सिखाने के लिए इस्तेमाल करते हुए समृद्ध मायने देना है।

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	1. सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बनाते हैं/ अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं। 2. कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं। 3. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरुप (जैसे- दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।	1. बच्चों को अपने मन से कहानी-कविता सुनाने के और लिखने के अवसर दिए जाते हैं। इस आधार पर उनकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का आकलन किया जाता है। 2. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है। 3. बाल सभा, सुबह की सभा और विभिन्न अवसरों पर पुस्तकों पर बातचीत की जाती है। शिक्षक स्वयं भी अपनी पढ़ी कहानियां सुनाते हैं।	1. रिमझिम- कक्षा 3, पाठ 13 - सबसे अच्छा पेड़ 2. रिमझिम- कक्षा 3, पत्तियों का चिड़ियाघर, नाना-नानी के नाम (केवल पढ़ने के लिए) 3. पाठ से संबन्धित बाल साहित्य पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर का उपयोग
4	1. भाषा की बारीकियों जैसे- शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।	1. पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे- मौन वाचन, मुखर वाचन या समूह के साथ पढ़ने-लिखने आदि के मौके उपलब्ध करवाते हैं। और उसके आधार पर उनके पठन कौशल का आकलन किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 4, पाठ 14- मुफ़्त ही मुफ़्त 2. रिमझिम- कक्षा 4, बजाओ खुद का बनाया बाजा, आँधी (केवल पढ़ने के लिए) 3. पाठ से संबन्धित बाल साहित्य पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर का उपयोग

	2. अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं। 3. स्वेछा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जांचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं।	2. बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए अलग से नियमित रूप से समय दिया जाता है। 3. बच्चों के स्तरानुसार बातचीत एवं टेक्स्ट में आने वाले शब्दों एवं ध्वनियों पर चर्चा करते हैं। उन शब्दों की लिस्ट बनाते हैं, जो बार-बार आए हैं, समान ध्वनि वाले शब्द हैं, किसी वर्ण विशेष से शुरू होने वाले शब्द कितनी बार आए हैं, साथ-साथ नये शब्दों के प्रयोग और उनके अर्थ खोजने के प्रयास भी कक्षा में होते दिखाई देते हैं।	
5	1. सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषयवस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। 2. पाठ्यपुस्तक और इससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्त करते हैं। 3. विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं।	1. कहानी पर विविध गतिविधियाँ, जैसे- चित्र देखकर पात्रों के नाम लिखना, शब्दों से कहानी बनाना, अधूरी कहानी को पूरा करना आदि कराई जाती हैं। 2. बाल सभा, सुबह की सभा और विभिन्न अवसरों पर पुस्तकों पर बातचीत की जाती है। शिक्षक स्वयं भी अपनी पढ़ी कहानियां सुनाते हैं। 3. बच्चों को अपने मन से कहानी-कविता सुनाने के और लिखने के अवसर दिए जाते हैं और इस आधार पर उनकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का आकलन किया जाता है।	1. रिमझिम- कक्षा 5, पाठ 18- चुनौती हिमालय की 2. रिमझिम- कक्षा 5, हम क्या उगाते हैं (केवल पढ़ने के लिए) 3. ऑडियो-वीडियो- https://www.youtube.com/watch?v=vRWtItmMjJo

English

1	• recognizes letters and their sounds A-Z • differentiates between small and capital letters in print/Braille • recites poems/rhymes with actions. • writes simple words like fan, hen, rat etc. • talks about self /situations/ pictures in English.	• Plans specific opportunities for children to build awareness of print and practice reading in general using the written/printed forms of talk, conversations, rhymes, songs, poems, stories, etc. given in the textbooks, classroom print, board, etc. • Plans specific opportunities for children to journey from scribbling and drawing to independent writing (includes inventive spellings). • Uses various storytelling techniques, like taking pauses, asking children to guess what will happen next, etc. • Checks oral comprehension of stories, rhymes, songs and poems by asking a mix of comprehension and inferential questions.	Unit 4 - The Four Seasons - Anandi's Rainbow
2	• sings songs/rhymes with action. • responds to comprehension questions related to stories and poems, in home language/English/ sign language, orally and in writing (phrases/ short sentences) • identifies characters, and sequence of events in a story.		Unit 4 - The Crow - The Smart Monkey Unit 5 - We are all Indians
3	• performs in events such as role-play/ skit in English with appropriate expressions. • uses a variety of nouns, pronouns, adjectives and prepositions in context as compared to previous class. • writes 5-6 sentences in English on personal experiences/events using verbal or visual clues. • reads small texts in English with comprehension i.e., identifies main idea, details and sequence and draws conclusions in English.	• Plans activities for children to engage with the print material so that the material is not merely displayed for decoration. • Holds conversations about the story through a mix of comprehension and inferential questions (over time, the questions become more critical, and the use of language also becomes more complex, as in class IV and V) • Encourages children to try telling/reading stories with actions and expressions. • Uses stories, rhymes, songs, and poems as the basis for writing, initially letting children respond through scribbling and drawing then progressing to writing a few words or sentences through shared, guided, and independent writing tasks	Unit 10 -Ship of the Desert -How Creatures Move
4	• reads printed script on the classroom walls, notice board, in posters and in advertisements.		Unit 9 -Pinocchio -The Naughty Boy

	• responds verbally/in writing in English to questions based on day-to-day life experiences, an article, story or poem heard or read. • uses dictionary to find out spelling and meaning. • uses nouns, verbs, adjectives, and prepositions in speech and writing.		
5	• conducts short interviews of people around him e.g interviewing grandparents, teachers, school librarian, gardener etc. • uses meaningful grammatically correct sentences to describe and narrate incidents; and for framing questions. • reads text with comprehension, locates details and sequence of events.		Unit 10 -Malu Bhalu -Who will be Ningthou?

गणित

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	• टैली चिन्ह का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का अभिलेख करते हैं तथा उनको चित्रालेख के रूप में प्रस्तुति कर निष्कर्ष निकालते हैं। • मूल्य सूची तथा समान्य बिल बनाते हैं।	• विभिन्न तरीकों से (छात्रों की मासिक परीक्षा के अंक, छात्रों की आयु एवं वजन, विभिन्न वस्तुओं की मूल्य सूची आदि पर) आँकड़ों का संकलन, वर्गीकरण एवं विश्लेषण करवाते हैं। • पत्रिकाओं तथा अखबारों से चित्रालेख लेकर उनकी व्याख्या कक्षा-कक्ष में करवाते हैं। • विभिन्न प्रकार के सिक्के एवं नोटों की पहचान करवाते हैं। • रुपये, पैसे को आपस में बदलने संबंधित अभ्यास करवाते हैं। • क्रेता एवं विक्रेता के रूप में छात्रों से रोल प्ले करवाते हैं।	पाठ- 13, स्मार्ट चार्ट पाठ- 14, रुपये और पैसे
4	• सरल ज्यामिति आकृतियों का क्षेत्रफल तथा परिमाप दी हुई आकृति को इकाई मान कर करते हैं। • सरल ज्यामितीय आकृतियों (त्रिभुज, आयत, वर्ग) का क्षेत्रफल तथा परिमाप एक दी हुई आकृति को इकाई मानकर ज्ञात करते हैं। जैसे- किसी टेबल की ऊपरी सतह को भरने के लिए एक जैसी कितनी किताबों की आवश्यकता पड़ेगी। • संकलित की गई जानक्री को सारणी, दण्ड आलेख एवं चित्रालेख के माध्यम से प्रदर्शित कर उनसे निष्कर्ष निकालते हैं।	• परिमाप एवं क्षेत्रफल की अवधारणा का उपयोग करते हुए दैनिक जीवन की परिस्थिति हल करने व नई समस्या के निर्माण करने का अवसर देते हैं। • अखबारों, पत्रिकाओं से आँकड़ों एवं दंडालेख आदि को कक्षा-कक्ष में पढ़वाना एवं उनकी व्याख्या करवाते हैं।	पाठ-13, खेत और बाड़ पाठ-14, स्मार्ट चार्ट

5	• पैसा, लंबाई, भार, आयतन तथा समय अंतराल से संबंधित प्रश्नों में चार मूलभूत गणितीय संक्रियाओं का उपयोग करते हैं। • जोड़, घटाव, गुणन तथा भागफल का अनुमान लगाते हैं तथा विभिन्न तरीकों का प्रयोग कर उनकी पुष्टि करते हैं जैसे- मानक ऐल्गारिदम का प्रयोग कर या किसी दी हुई संख्या को अन्य संख्याओं के जोड़ तथ्य के रूप में लिखकर संक्रिया का उपयोग करना। उदाहरण के लिए 9450 को 25 से भाग देने हेतु 9000 को 25 से, 400 को 25 से तथा असंत में 50 को 25 से भाग देकर जितने भी भागफल प्राप्त हों उन सभी को जोड़कर उत्तर प्राप्त करते हैं। • सामान्यत: प्रयोग होने वाली आयतन की बड़ी तथा चोटी इकाइयों में संबंध स्थापित करते हैं तथा बड़ी इकाइयों को छोटी व छोटी इकाइयों को बड़ी इकाई में बदलते हैं। • ज्ञात इकाइयों में से किसी ठोस वस्तु का आयतन ज्ञात करते हैं जैसे- एक बाल्टी का आयतन जग के आयतन का 20 गुना है।	• शिक्षक जोड़-घटाव, गुणा और भाग की अवधारणा पर काम करते समय ठोस वस्तुओं के उपयोग, अर्द्ध-मूर्त संकेत एवं अमूर्त संकेत के क्रम का पालन करते हैं। • मानक विधि द्वारा यांत्रिक तरीके से सवाल हल करवाने के स्थान पर मानक विधि में निहित तर्क समझने में मदद करते हैं। • बच्चे के साथ किन्हीं भी संख्याओं के जोड़-घटाव, गुणा और भाग के सवाल बिना हल किए उसके परिणाम का अनुमान लगाने पर काम करते हैं। • छात्रों को सामान्यत: आने वाली कठिनाइयों को समझते हैं (जैसे- भाग नहीं जाना या ऐसी संख्याओं में भाग देना जिनमें 0 भी होता है) और कठिनाइयों के हल के लिए सामग्री के साथ तर्कपूर्ण कार्य करवाते हैं। • मानक इकाई की आवश्यकता के लिए प्रेक्टिकल कार्य करवाते है। इसके लिए कहानी के आधार पर अभिनय, परिस्थिति देकर समूह कार्य करवाना, दैनिक जीवन की परिस्थितियों पर बात करना इत्यादि कार्य शामिल करते हैं।	पाठ-13, गुणा और भाग के तरीके पाठ-14, कितना बड़ा? कितना भारी?

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा	क्या सिखाना है? (सीखने के प्रतिफल)	कैसे सिखाना है? (सुझावात्मक शिक्षण अभ्यास)	सिखाने के लिए क्या होगा? (पाठ्यपुस्तक और सहायक सामग्री)
3	चित्र, डिजाईन, नमूनों, मॉडलों आदि की मदद से सजावटी वस्तुएं बनाते हैं।	• **अवलोकन, डाटा एकत्रीकरण एवं विश्लेषण** • **पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य संसाधनो का प्रयोग** • **चर्चा करना** - कक्षा में पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त संसाधनों (पोस्टर, चित्र, ऑडियो-वीडियो, समाचार पत्र की कतरनें, कहानियाँ/कविताएँ, वेब संसाधन, वृत्तचित्र, पुस्तकालय) का उपयोग करना। - आसपास के वातावरण अर्थात घर, विद्यालय और पड़ोस में विभिन्न वस्तुओं / फूलों / पौधों / जानवरों / पक्षियों की सरल अवलोकनीय भौतिक विशेषताओं (विविधता, रहने के स्थान, भोजन की आदतें, आवश्यकताएं, घोंसले, समूह व्यवहार आदि) का अवलोकन और अन्वेषण करने के अवसर दिये जाते हैं। - व्यवस्थित तरीके से अवलोकनों, अनुभवों और सूचनाओं को रिकॉर्ड करने और व्याख्या करने के अवसर दिये जाते हैं तथा कारण और प्रभाव के बीच संबंध स्थापित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों में पैटर्न के बारे में पूर्वानुमान लगाने में मदद करता है। - समूहों में एक साथ काम करने के अवसर देकर देखभाल (care), सहानुभूति (sympathy) साझा करने, नेतृत्व की पहल करने के लिए प्रेरित करते हैं। - अपने आस-पास के समुदाय के लोगों एवं जीव-जंतुओं की एक दूसरे पर निर्भरता को समझने के अवसर प्रदान करते हैं।	पाठ- 23, कपड़ा सजा कैसे
	अपने परिवेश से उपयोगी वृक्ष एवं जंतुओं की निर्भरता को समझते हैं।		पाठ- 24, जीवन का जाल
4	वस्तुओं, गतिविधियों, घटनाओं के अवलोकनों/अनुभवों को विविध तरीकों से रिकॉर्ड करते हैं।		पाठ- 26, फ़ौजी वहीदा
	विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों की पहचान एवं देखभाल करते हैं।		पाठ- 27, कोशिश हुई कामयाब
5	वस्तुओं, गतिविधियों, घटनाओं के अवलोकनों/अनुभवों को विविध तरीकों से रिकॉर्ड करते है।		पाठ- 21, किसकी झलक? किसकी छाप?
	आजीविका के लिए समुदायों की जीव-जंतुओं पर निर्भरता।		पाठ- 22, फिर चला काफिला

संकुल स्तरीय अकादमिक बैठक

रिपोर्टिंग फॉर्मैट

संकुल केंद्र का नाम- ..... बैठक की तिथि- ..... प्रतिभागियों की संख्या- .....

बैठक का संदर्भ- .....

रिसोर्स टीचर का नाम- .....

विषय	नवंबर माह में जिन प्रतिफलों पर काम किया गया, क्या-क्या गतिविधियाँ की गई, बच्चों के सीखने का स्तर क्या है आदि बातों को साझा करना।	शिक्षक का नाम जिन्होंने शिक्षण अनुभव साझा किए।
हिन्दी		
अँग्रेजी		
गणित		
पर्यावरण अध्ययन		

विषय	दिसंबर माह में जिन प्रतिफलों पर काम किया जाएगा।	शिक्षण अभ्यास/गतिविधियाँ जिन्हें किया जाएगा।	शिक्षक का नाम जो शिक्षण अनुभव साझा करेंगे।
हिन्दी			
अँग्रेजी			
गणित			
पर्यावरण अध्ययन			

बैठक में शामिल प्रतिभागियों के नाम- ..... विद्यालय-.....

हस्ताक्षर .....